लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

भारत की आत्मा है हिंदी........ हिंदी को लेकर सहज नहीं ......

वर्ष : 11 | अंक : 266 | लखनऊ, 15 सितम्बर, सोमवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

असम में पीएम मोदी ने किया विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

'ऑपरेशन सिंदूर' को बताया मां कामाख्या का आशीर्वाद

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया और एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान, उन्होंने हाल ही में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया और इसे मां कामाख्या के आशीर्वाद का फल बताया।

कांग्रेस पर पीएम मोदी का तीखा हमला

पीएम मोदी ने भूपेन हजारिका को 'भारत रत्न' दिए जाने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष के एक कथित बयान पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिस दिन भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया गया, उसी दिन कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी 'नाचने-गाने वालों को' भारत रत्न दे रहे हैं। मोदी ने 1962 के युद्ध के बाद पंडित नेहरू के 'नॉर्थ-ईस्ट को छोड़ देने' वाले बयान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस घाव पर कांग्रेस की वर्तमान पीढ़ी भी नमक छिड़कने का काम कर रही है।

कांग्रेस पर पीएम ने लगाए गंभीर आरोप

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर देशविरोधी और घुसपैठियों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाएं।' उन्होंने यह भी कहा कि जब पूरा देश आतंकवाद से जूझ रहा था, तब कांग्रेस चुप थी, जबकि आज हमारी सेना 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर आतंकवाद को खत्म कर रही है, लेकिन कांग्रेस पाकिस्तान के साथ खड़ी हो जाती है।

6,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास

पीएम मोदी ने इस दौरान कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें 570 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और जीएनएम स्कूल शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले 2.9 किलोमीटर लंबे नारेंगी-कुरुवा पुल और 4,530 करोड़ रुपये की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना का भी शिलान्यास किया।

सीएम योगी का उत्तर प्रदेश को 6 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का रोडमैप, लखनऊ और नोएडा बनेंगे GCC हब

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'विकसित उत्तर प्रदेश-समर्थ उत्तर प्रदेश @2047' विजन को साकार करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर रही है। इस रूपरेखा में तीन मिशन- समग्र विकास, आर्थिक नेतृत्व और सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा तीन थीम- अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री का स्पष्ट मत है कि अगले 22 साल में उत्तर प्रदेश की ग्लोबल पहचान भविष्योन्मुखी उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किये बगैर नहीं प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए सरकार का विशेष ध्यान एआई, बॉयोटेक, ग्रीन एनर्जी और एग्रीटेक आधारित उद्योग पर है।

इसके साथ ही सरकार प्रदेश के 12 प्रमुख सेक्टर (कृषि, औद्योगिक विकास, आईटी व इमर्जिंग टेक, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, नगर व ग्राम्य विकास, सतत विकास, पशुधन, पर्यटन, अवस्थापना और

सुरक्षा-सुशासन) के जरिए भविष्य के उद्योगों की रूपरेखा तैयार करने में जुटी हुई है। इस व्यापक खाके का आर्थिक लक्ष्य 2030 तक प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है।

2017 से पहले की चुनौतियां

2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश की गिनती बीमारू और विकास की दौड़ में पिछड़े राज्य की बन चुकी थी। सुरक्षा तंत्र की कमजोरी, निवेश के लिए असुरक्षित माहौल, हाई-टेक इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और कौशल विकास की अनुपस्थिति के कारण निवेशकों का विश्वास घटा हुआ था। पुलिस सशक्तिकरण और स्मार्ट मॉनिटरिंग का ढांचा न होने से अपराध पर नियंत्रण ढीला था। यही कारण था कि रोजगार और उद्योग दोनों ही सीमित स्तर पर ठहर गए थे। यहां तक कि अधिकांश उद्यमी अन्य राज्यों की ओर पलायन कर चुके थे।

2017–2025: सुशासन और सुरक्षा का नया युग

योगी सरकार ने 2017 के बाद से कानून-व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार किए। पुलिस भर्ती और आधुनिकीकरण, स्मार्ट निगरानी नेटवर्क, कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई से प्रदेश का सुरक्षा वातावरण पूरी तरह बदल गया। ह्यऑपरेशन कन्विक्शनह्व जैसी पहलों ने सजा दर बढ़ाई और निवेशकों के लिए विश्वासपूर्ण माहौल तैयार किया। इसका सीधा असर उद्योग और व्यापार पर पड़ा और प्रदेश निवेश का सुरक्षित गढ़ बन सका।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

जयपुर में भीषण कार हादसे में खत्म हो गए दो परिवार; सात लोगों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, जयपुर में शनिवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर रिंग रोड से नीचे पानी से भरे अंडरपास में गिर गई। हादसे में कार में सवार दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मारे गए लोग दो परिवारों के सदस्य हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में प्रह्लादपुरा के पास हुई। एक तेज रफ्तार कार संभवतः डिवाइडर से टकराकर रिंग रोड से लगभग 16 फुट नीचे जा गिरी। कार एक अंडरपास में गिरी जिसमें पानी भरा हुआ था। ७स्थानीय लोगों ने रविवार दोपहर दुर्घटनाग्रस्त कार को पानी से भरे अंडरपास में उलटी पड़ी देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला। शिवदासपुरा के थानाधिकार सुरेंद्र सैनी ने कहा, कार में सवार सभी सात लोग मृत पाए गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान वाटिका सांगानेर निवासी रामराज वैष्णव, उनकी पत्नी मधु, उनके बेटे रुद्र के रूप में हुई है। इसके अलावा रामराज के रिश्तेदार कालूराम, कालूराम की पत्नी सीमा, उनके बेटे रोहित और गजराज की भी हादसे में मौत हो गई जो केकड़ी अजमेर के रहने वाले थे। सैनी ने बताया कि ऐसा लगता है कि हादसा शनिवार देर रात हुआ।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार को लोकप्रिय बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फूलेंसर्स का उपयोग किया जाएगा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर मध्यप्रदेश के धार में शुरू किए जाने वाले स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया इन्फूलेंसर्स को शामिल किया जाएगा।

पोडकास्टर निधि कौशिक, आरजे अनादि तिवारी, पॉडकास्टर नयन राय, आरजे पारुल, निधि रावतिया, सिद्धार्थ जैन, यूथ फार चिल्ड्रन के स्वयंसेवक, आकाशवाणी के एंकर, रेडियो लेकसिटीवॉइस के आरजे और दूरदर्शन के पेशेवर उन प्रभावशाली लोगों में शामिल हैं जिन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और यूनीसेफ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. सलोनी सिदाना ने कहा कि यह अभियान 17 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों) में चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा, इसमें महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, किशोर एनीमिया प्रबंधन और सक्रिय जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। महिलाएं अक्सर दूसरों की देखभाल करते हुए अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं। पुरुषों को सहयोग देना चाहिए और महिलाओं को बिना किसी अपराधबोध के प्रतिदिन कम से कम एक घंटा आत्म-देखभाल के लिए समर्पित करना चाहिए।

एनएचएम के सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) ब्यूरो की निदेशक डॉ. रचना दुबे ने कहा कि कई किशोरियां अनजाने में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित होती हैं और उन्होंने अभियान के दौरान उनसे जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने प्रभावशाली लोगों से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार हैशटैग का उपयोग करके अभियान का प्रचार करने का अनुरोध करते हुए कहा, हम जांच और उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए केंद्र विकसित कर रहे हैं। यूनीसेफ मध्यप्रदेश के अंतरिम प्रमुख (एआई) अनिल गुलाटी ने महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर जागरूकता बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस बैठक में डॉ. प्रभाकर तिवारी, डॉ. अर्चना पुंढीर, डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. अमित डोगरा और डॉ. सुरेश परमार सहित वरिष्ठ एनएचएम और यूनीसेफ अधिकारी भी शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली को विकास परियोजनाओं का उपहार मिलेगा: मुख्यमंत्री गुप्ता

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर सेवा पखवाड़ा के तहत कई परियोजनाएं शुरू करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह 17 सितंबर को त्यागराज स्टेडियम में दिल्ली सरकार के एक कार्यक्रम के दौरान 15 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिनमें नए अस्पताल ब्लॉक, 101 आरोग्य मंदिर और 150 डायलिसिस केंद्र शामिल हैं।

भारत में महिला पायलटों की संख्या बढ़ रही है: सिंधिया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है जहां महिला पायलटों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने इसे क्रांतिकारी बदलाव का संकेत बताया। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जहां अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों में महिला पायलट अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं भारत में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं। वह यहां एक डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र भवन की आधारशिला रखने और सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 38 लड़कियों को पासबुक वितरित करने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे आगामी डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि मुरैना और श्योपुर ज़िलों के साथ-साथ पड़ोसी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के निवासियों को पहले पासपोर्ट सेवाओं के लिए ग्वालियर, गुना, भोपाल या दिल्ली जाना पड़ता था लेकिन अब यह सुविधा मुरैना में ही उपलब्ध होगी।

चुनाव में निषाद समाज के वोटरों पर टिकी पार्टियों की नजरें, घोषणापत्र में नाव देने का वादा करेगी सपा

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को बिसात बिछाने में जुटी सपा जातीय गोलबंदी का तानाबाना बुन रही है। एनडीए के सहयोग दलों की जिन जातियों में पकड़ मानी जाती है, उनको वर्गों को भी साधा जा रहा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निषादों को साधने का दांव चल दिया है।

नाविकों के एक संगठन से मुलाकात में कहा कि सपा अपने चुनावी घोषणा पत्र में नाविकों को नई नाव देने की घोषणा शामिल की जाएगी। उन्होंने गोमती रिवर फ्रंट पर निषादराज गुहा की प्रतिमा स्थापित कराने का भी वादा किया।

शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रयागराज से आए नाविक मजदूर कल्याण समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने सपा प्रमुख को ज्ञापन देकर मछली पकड़ने के लिए नदियों की नीलामी को तत्काल प्रभाव से निरस्त कराने का प्रयास करने का अनुरोध किया।

सपा प्रमुख ने कहा कि नाविक अपने अधिकारों के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके साथ अन्याय हो रहा है। उनके पारंपरिक व्यवसाय को दबंगों को सौंपा जा रहा है। पीडीए में नाविक वर्ग भी है। सपा की सरकार आने पर हम जातीय जनगणना कराएंगे, तभी सभी को समानुपातिक आधार पर हक और सम्मान मिलेगा। निषादराज गुहा की प्रतिमा गोमती रिवर फ्रंट पर स्थापित कराई जाएगी, जिसमें नाव की पतवार सोने की होगी। वहीं, कार्यकताओं से सपा प्रमुख ने जनता बदलाव के लिए व्याकुल है। वह और इंतजार के मूड में नहीं है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में सपा की सरकार बनना सुनिश्चित है। भाजपा को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। भाजपा हटेगी तभी संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा।

अलवर में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, दो घायल

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अलवर में शनिवार देर रात सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई व दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह हादसा अरावली विहार थाना क्षेत्र में दो कारों और एक मोटरसाइकिल की टक्कर के कारण हुआ। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान जतिन और मोनू के रूप में हुई है जिनके शव जिला अस्पताल के शवगृह में रखवा दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना भूरा सिद्ध हनुमान मंदिर मार्ग पर उस समय हुई जब मंदिर से तेज गति से निकल रही थार गाड़ी की मंदिर की ओर आ रही कार से आमने-सामने की टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के कारण थार कई बार पलटी और पास से गुजर रही एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। अरावली विहार थाने के सहायक उपनिरीक्षक ओम प्रकाश ने कहा, इस दुर्घटना में थार के चालक की भी मौत हो गई। दूसरी कार में सवार लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

नेता निजी अहंकार त्याग बिहार में राजगन की जीत करें सुनिश्चित : नड्डा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, बिहार विधानसभा चुनाव तैयारियों की संगठनात्मक समीक्षा करने पटना पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी पार्टी के नेताओं से अपील की कि वे व्यक्तिगत अहंकार को त्याग कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को सर्वोपरि रखें।

राजकीय अतिथिशाला में नड्डा ने बिहार भाजपा के शीर्ष नेताओं, नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के मंत्रियों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, विधानसभावार सम्मेलन आदि बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने सामाजिक पकड़ मजबूत बनाने के साथ ही राजग के बूथ स्तर तक के कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाने पर बल दिया।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बी एल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष

दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री द्वय सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा, पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय चुनाव समिति एवं कोर ग्रुप के सचिव प्रेम रंजन पटेल तथा अन्य वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए।

नड्डा ने विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का नया नामाकरण किया। उन्होंने राजद का मतलब समझते हुए कहा कि रा का मतलब रंगदारी, ज का मतलब जंगलराज और द का मतलब दादागिरी है।

उन्होंने कहा कि आज मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के लोग विकास देख रहे हैं। केंदीय मंत्री ने कहा, 2005 से पहले बिहार की स्थिति क्या थी और आज क्या है। 2005 से पहले तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और सत्ता समर्थित अपराध की राजनीति थी। आज राजग सरकार के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम आज 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं तथा इस तरह अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, ह्ममोदी ने 14 करोड़ से अधिक घरों में नल के माध्यम से पानी और चार करोड़ से अधिक गरीब लोगों को आवास प्रदान किया है।

मोहन भागवत का दुनिया को संदेश

टकराव की जड़ श्रेष्ठता का भाव, हम सब एक हैं का मंत्र जरूरी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की पुस्तक 'परिक्रमा कृपासार' के विमोचन समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की आस्था को 'प्रत्यक्ष अनुभूति' पर आधारित बताया और कहा कि यह कोई काल्पनिक आस्था नहीं, बल्कि ऐसी आस्था है जिसे कोई भी व्यक्ति अपने प्रयासों से अनुभव कर सकता है।

भागवत ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण की आवश्यकता होती है, लेकिन आज के समय में खुद को वैज्ञानिक कहने वाले लोगों के पास भी प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं। इसके विपरीत, भारत की आस्था के लिए प्रत्यक्ष प्रमाण मौजूद हैं, जिन्हें

प्रयास और प्रयोगों से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने भारत के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा दी गई 'पवित्रता की चेतना और भावना' के कारण, भारत 3000 वर्षों तक दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश था।

उन्होंने आगे कहा कि उस दौरान तकनीकी प्रगति बहुत अधिक थी, लेकिन पर्यावरण का कोई क्षरण नहीं हुआ। मानव जीवन सुखी और सुसंस्कृत था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने दुनिया का नेतृत्व किया, लेकिन कभी किसी देश पर विजय नहीं पाई, न ही किसी के व्यापार को दबाया या किसी का धर्मांतरण किया। उन्होंने कहा, 'हम जहां भी गए, हमने सभ्यता और ज्ञान दिया, हमने शास्त्रों की शिक्षा दी और जीवन को बेहतर बनाया।'

'हम सब एक हैं' के सिद्धांत पर दिया जोर

मोहन भागवत ने विश्व में होने वाले टकरावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष इसलिए होते हैं क्योंकि लोग 'भगवान' के एक होने या अनेक होने पर बहस करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे दार्शनिकों ने हमें इस तरह के टकराव में पड़ने से रोका है और यह सिखाया है कि 'सिर्फ 'भगवान' हैं। और कोई नहीं।' उन्होंने एकता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि दुनिया में टकराव इसलिए होते हैं क्योंकि एक व्यक्ति खुद को दूसरे से श्रेष्ठ समझता है। उन्होंने कहा, 'हम मानते हैं कि हम सब एक हैं, लेकिन क्या हम सबके साथ एकता का व्यवहार करते हैं? नहीं।' उन्होंने समाज में समानता और सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

संक्षेप

गोरखपुर में झमाझम बारिश के साथ मानसून की वापसी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मानसूनी ट्रफ लाइन ने दोबारा प्रदेश में प्रवेश किया है। इसकी वजह से तराई के जिलों में दो दिनों तक मानसूनी बारिश की संभावना है। पश्चिमी जिलों में भी मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी के तराई क्षेत्र में मानसून फिर सक्रिय हुआ है। मौसम विभाग की ओर से अगले दो दिन पूर्वी तराई के कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थ नगर समेत 15 जिलों में मध्यम से भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले तीन-चार दिन लखनऊ और आसपास के जिलों में छिटपुट बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज धूप से उमस बढ़ेगी। साथ ही दिन और रात के पारा में भी वृद्धि होगी।

इन जिलों के लिए अलर्ट

रविवार को गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी व आसपास के इलाकों में बिजली गिरने के साथ भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

गोरखपुर के मौसम का हाल

गोरखपुर में रविवार सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है, जिससे मौसम काफी सुहाना हो गया है। बारिश की फुहारों ने शहर को ठंडक पहुंचाई है और उमस भरी गर्मी से राहत दी है। मौसम का यह मिजाज लोगों को काफी भा रहा है। गोरखपुर में आज हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान भी नियंत्रित रहेगा। गोरखपुर में सुबह से हो रही बारिश के कारण काम पर जाने वाले लोग भीगते हुए पहुंचे।

आगरा का मौसम

आगरा। शनिवार को सुबह से शाम ढलने तक धूप निकलने से न्यूनतम व अधिकतम तापमान में वृद्धि देखने को मिली। उमस अधिक होने से पसीना बहता रहा।

नागेन्द्र कुशवाहा अध्यक्ष व ललित कुमार पुनः बने महामंत्री

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ जनपद शाखा लखनऊ के रविवार को हुए चुनाव में पुनः नागेंद्र कुशवाहा को अध्यक्ष व ललित कुमार को महामंत्री बनाया गया। जबकि कायम सिंह कोषाध्यक्ष, अनुज कुमार यादव जिला संगठन मंत्री, सुधांशु सिंह मंत्री, अनुज त्यागी संयुक्त मंत्री, पवन विमल ऑडिटर, मनोनीत पदाधिकारी रेखा सिंह उपाध्यक्ष (म०), प्रतिभा शर्मा क्षेत्रीय मंत्री व हरिओम पाठक क्षेत्रीय संगठन मंत्री चुना गया।

ग्यारह सदस्यीय जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को एडीओ पंचायत संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला ने पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण कराई।

लखनऊ जनपद के ग्राम पंचायत अधिकारियों ने द्विवार्षिक अधिवेशन में प्रतिभाग किया। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ जनपद शाखा लखनऊ का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं कार्यकारिणी का गठन लोहिया सभागार विकास भवन लखनऊ में संपन्न हुआ। वर्तमान अध्यक्ष नागेन्द्र प्रताप कुशवाहा दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष एवं ललित कुमार निर्विरोध महामंत्री पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किए गए। द्विवार्षिक अधिवेशन के चुनाव अधिकारी सेवा निवृत्ति एडीओ पंचायत सरोजिनी नगर कौशल कुमार एवं एडीओ पंचायत काकोरी कृष्ण कुमार संयुक्त रूप से रहे। आज उ० प्र० ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के द्विवार्षिक अधिवेशन में पूरे जनपद के सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। जनपद के अधिवेशन के प्रथम सत्र में महामंत्री ललित कुमार के द्वारा विगत दो वर्षों में हुयी जनपद कार्यकारिणी की उपलब्धियों तथा जनपद कोषाध्यक्ष कायम सिंह द्वारा आय व्यय का लेखा-जोखा सदन में प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा हर्ष ध्वनिमत के साथ पारित कर दिया गया। जनपद से आए ग्राम पंचायत अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में आ रही समस्याओं पर पुनः आवश्यक रणनीति बनाने, सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग बढ़ाने हेतु उच्चाधिकारियों द्वारा केंद्रीय एवं राज्य वित्त मे भुगतान हेतु गलत दबाव बनाने, मनरेगा की घोर विसंगतियों को खत्म कराने, विशेष ऑडिट आपत्ति के सम्यक निस्तारण, ग्राम पंचायतों के क्लस्टर आवंटन में धांधली, मध्य सत्र में स्थानांतरण, निलंबन, सेवा का स्थायीकरण, सचिवों के लिए सर्विस बुक का अपडेशन एवं समय से वेतन की प्राप्ति, नवागंतुक ग्राम पंचायत अधिकारियों के लिए समस्त योजनाओं हेतु विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता, ई ग्राम स्वराज में ऑनलाइन भुगतान में आ रही समस्याओं पर व्यापक विचार विमर्श किया गया तथा उनके निराकरण की मांग शासन एवं प्रशासन के समक्ष रखने की बात की गयी।

द्वितीय सत्र में निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में जनपद कार्यकारिणी का समस्त पदों हेतु निर्विरोध सर्वसम्मति से गठन किया गया जिसमें समस्त उपरोक्त पदाधिकारी निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ कमल किशोर शुक्ला प्रदेश अध्यक्ष सहायक विकास अधिकारी पंचायत सेवा संघ द्वारा दिलायी गयी। शपथ ग्रहण के पश्चात पूरे जनपद से आए ग्राम पंचायत अधिकारियों ने निर्वाचित पदाधिकारियों को फूल मालाओं से विभूषित करते हुए सांगठनिक जयघोष के उद्घोष के साथ माहौल को खुशनुमा बना दिया। उ० प्र० ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष नागेन्द्र प्रताप कुशवाहा ने जनपद से आए हुए समस्त ग्राम पंचायत अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान संघर्ष वर्ष में ग्राम पंचायत अधिकारियों की विभिन्न विभागीय समस्याओं के निराकरण हेतु समर्पित भाव से हम लोग जनपद से प्रदेश तक लक्ष्य प्राप्त होने तक अनवरत संघर्ष करते रहेंगे। जनपद के अधिवेशन में एडीओ पंचायत अशोक कुमार यादव, शिव ओम, सुनील कुमार सिंह और समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह द्वारा किया गया।

श्री कृष्णा विहार कॉलोनी में दबंगई, दुकानदारों से मारपीट और पुलिस पर हमला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित श्री कृष्णा विहार कॉलोनी में शनिवार रात दबंगई का तांडव देखने को मिला। नशे में धुत एक युवक द्वारा महिला दुकानदार की दुकान के सामने पेशाब करने का विरोध करने पर रविवार दोपहर एक दर्जन से अधिक युवक मौके पर पहुंचे और दुकानदारों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने दुकानदारों की जमकर पिटाई की और दुकानों में तोड़फोड़ कर दी। बीच-बचाव करने आए अन्य दुकानदारों को भी नहीं छोड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन दबंगों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने मौके से कुछ हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। डर के कारण कृष्ण विहार की पूरी मार्केट बंद कर दी गई है।

ठाकुरगंज में दो पक्षों में मारपीट, एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए थाने का किया घेराव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ठाकुरगंज थाने के पास रविवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और विवाद को शांत कराया। इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। एक पक्ष ने कार्रवाई की मांग को लेकर थाने का घेराव कर दिया। इस दौरान एसीपी चौक, ठाकुरगंज समेत अन्य थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रित किया। ठाकुरगंज पुलिस ने उच्चाधिकारियों के निर्देश पर दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमा दर्ज कर लिया है। बालागंज स्थित गौशाला रोड निवासी जैनेंद्र प्रताप सिंह (जानू) ने बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता हैं और रविवार को दोपहर में एक पैरवी के लिए ठाकुरगंज थाना जा रहे थे। आरोप है कि थाने से 50 मीटर पहले ही घात लगाकर बैठे सूरज चौरसिया, अमन सिंह, ऋषभ सिंह और हर्ष पटेल उर्फ बिट्टू ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने हाथ में पहने हुए कड़े से उनके सिर और सीने पर एक के बाद एक कई वार किए और लात-घूंसे भी जमकर मारे। चीख-पुकार सुनकर पुलिसकर्मी पहुंचे और उन्हें बचाया, जिससे उनकी जान बच सकी। आरोपित पुलिसकर्मियों के सामने भी गाली-गलौज कर रहे थे वहीं, मिश्रीबाग गूंगा बहरा स्कूल के पास रहने वाले शिवम चौरसिया ने बताया कि वह अपने मित्र अर्जुन के साथ डिलीवरी का कार्य समाप्त कर उसे उसके घर छोड़ने गया था। वहां पहले से ही मौजूद कलीम, अरमान, कल्लू और भूरे ने जान से मारने की नियत से उन पर और उनके मित्र अर्जुन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अर्जुन किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग गया, लेकिन आरोपितों ने शिवम पर पिस्तौल तान दी और घसीटते हुए कल्याण मंडप के पास स्थित मंदिर के पीछे ले गए, जहां उन्हें बुरी तरह मारा गया और वह बेसुध हो गए। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओपी सिंह ने बताया कि फुटेज और अन्य माध्यम से मामले की जांच की जा रही है और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यूपी के स्कूलों में स्वच्छ भारत मिशन अभियान

हर रविवार श्रमदान करेंगे सर्वोदय विद्यालय के बच्चे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देने के लिए अब प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय और राजकीय छात्रावास में हर रविवार श्रमदान होगा। विद्यार्थी खुद अपने स्कूल और छात्रावास को संवारेंगे। कक्षाओं और गलियारों की सफाई करेंगे। टूटी मेज-कुर्सी और फर्नीचर की मरम्मत करेंगे। नालियों और पानी की टंकियों की सफाई होगी। कचरे के निस्तारण पर खास ध्यान रहेगा। इसके लिए झाड़ू, फावड़ा, बाल्टी और कूड़ेदान जैसी सामग्री पहले से उपलब्ध करा दी गई है। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण की पहल पर यह शुरू किया जा रहा है। इसके तहत सिर्फ सफाई ही नहीं, बागवानी पर भी जोर रहेगा। विद्यार्थी पौधों की निराई-गुड़ाई करेंगे और नए पौधे लगाएंगे। सूखे पत्तों और टहनियों से खाद बनाने का काम भी करेंगे। विद्यालय परिसरों को अलग-अलग सदनों में बांटा जाएगा। हर सदन को अपनी जिम्मेदारी मिलेगी। इससे बच्चों में अनुशासन, सहयोग और प्रतियोगिता की भावना विकसित होगी। श्रमदान से पहले और बाद की तस्वीरें क्यू आर कोड के जरिये अपलोड करनी होंगी। असीम अरुण का कहना है कि यह अभियान विद्यार्थियों को श्रम का सम्मान सिखाएगा और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाएगा।

लखनऊ एयरपोर्ट पर पायलट की सूझबूझ से बड़ा विमान हादसा होते होते टला

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। राजधानी के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार को पायलट की सूझबूझ से बड़ा विमान हादसा होते होते टल गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट (6ई-2111) शनिवार दोपहर करीब 11 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली थी। तभी विमान में टेकऑफ के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आ गई। रनवे पर तेज रफ्तार दौड़ रहा विमान टेकऑफ के लिए हवा में नहीं उठ सका, बल्कि रनवे पर ही दौड़ता रह गया। इससे पायलट के होश उड़ गए। उसने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान में अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए और विमान को रनवे के अंतिम छोर से पहले ही रोक लिया। विमान में 151 यात्री और 6 क्रू मेंबर सहित समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव भी सवार थीं। वहीं अचानक विमान के रुक जाने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग घबराकर सीट बेल्ट पकड़कर बैठ गए। कुछ क्षणों के लिए यात्रियों की सांसें थम सी गई। हालांकि, पायलट और क्रू की सूझबूझ से सभी यात्री सुरक्षित रहे। बाद में विमान को टैक्सीवे पर लाकर यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। इसके बाद एयरलाइन की ओर से विमान को रद्द करने की घोषणा कर सभी यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से दिल्ली भेज दिया गया। इसके बाद विमान में आई तकनीकी खराबी दूर करने के लिए इंजीनियरों की टीम लगाई गई। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जांच कर इंजीनियरों की टीम ने खराबी दूर कर दी। उसके बाद विमान को दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। तब एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली। उधर सूत्रों ने बताया कि डायरेक्टरेट जनरल आफ सिविल एवियशन (डीजीसीए) ने इंडिगो अधिकारियों से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।

सरेराह छात्रा से छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद इलाके के एक गांव निवासी छात्रा ने अपने साथ लगातार हो रही छेड़छाड़ और धमकी की शिकायत थाने में दर्ज कराई है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि गांव का ही युवक उसे लंबे समय से परेशान कर रहा है और अब उसकी जान को भी खतरा है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

छात्रा ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि बीते 10 सितंबर को वह रोज की तरह सुबह अपने कॉलेज ₹चक इंस्टीट्यूटड़ मौरा लखनऊ₹ जा रही थी। तभी गांव का ही निवासी अनुज उर्फ कल्लू रास्ते में उसे रोककर छेड़छाड़ करने लगा और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जब पीड़िता ने विरोध किया, तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया, तो वह उसे और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने पर मजबूर कर देगा। छात्रा ने आगे बताया कि यह घटना पहली बार नहीं हुई है। इससे पहले भी आरोपी द्वारा कई बार छेड़छाड़ की घटनाएं की जा चुकी हैं, जिसकी शिकायत उसने युवक के घर और 1090 महिला हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन आरोपी की हरकतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पीड़िता छात्रा का कहना है कि वह मानसिक रूप से काफी तनाव में है और उसे अब अपनी जान को भी खतरा महसूस हो रहा है। उसने थाने में लिखित शिकायत देते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में उसके साथ कोई अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी जिम्मेदारी सिर्फ आरोपी अनुज उर्फ कल्लू की होगी। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

एक ही रात दो स्थानों पर चोरी, नकदी व जेवरात समेत कृषि उपकरण पार

मोहम्मद नगर और नई बस्ती धनेवा गांव में घुसे चोर, पुलिस को दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

दीवार में सेंध लगा हुई चोरी – फोटो

लखनऊ। बीती रात चोरों ने दो अलग-अलग स्थानों पर धावा बोलते हुए नकदी, जेवरात और कृषि उपकरणों पर हाथ साफ कर दिया। दोनों मामलों में पीड़ितों ने थाने पहुंचकर तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना थाना क्षेत्र के मोहम्मद नगर रहमतनगर गांव की है, जहां शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक कुंवारे किसान के मकान की दीवार में सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने कमरे में रखी बक्से को खंगालते हुए उसमें रखे चांदी की पाजेब, कमर पेटी, करधनी, एक सेट पायल, एक सेट सोने की झुमकी, गले का हार, नथुनी और दस हजार नकद पार कर दिए। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

वहीं दूसरी वारदात नई बस्ती धनेवा गांव की है, जहां गांव के बाहर स्थित अनिल कुमार के आम के बाग में ट्यूबवेल की छत और खंभे के सहारे अंदर दाखिल हुए। चोर वहां से 40 मीटर 6 एमएम केबिल तार, 20 किलो जीन पाइप और फावड़ा, कुदार, लोहे की इंगल समेत अन्य कृषि उपकरण चुरा ले गए। चोरी की गए सामान की कीमत लगभग 65 हजार बताई जा रही है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है। मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। शीघ्र ही घटना का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हिंदी दिवस पर युवा नेता करुणेंद्र व्यास ने किया पत्रकारों का सम्मान

अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्यकारों एवं पत्रकारों की एक विचार गोष्ठी तथा पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन एरच रोड पर युवा समाजसेवी नेता करुणेंद्र व्यास तनु महाराज के द्वारा आयोजित किया गया ।सभी कलमकारों का सम्मान करते हुए तनु महाराज ने कहा कि पत्रकार समाज के प्रहरी हैं। आप लोग सभी को दिशा दिखाते हैं आपके सम्मान से ही हम सभी गौरवान्वित हो रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार कुंवर रामकुमार सिंह ने कहा कि हिंदी देश की पहचान है सभी मिलकर हिंदी में काम करें तभी हिंदी दिवस की सार्थकता होगी। साहित्यकार डॉ सुकदेव कुमार व्यास ने कविता के माध्यम से कहा कि अगर विश्व में किसी देश को भारत में व्यापार करना है तो उसे हिंदी अपनाना होगी। हिंदी के उत्थान के लिए सभी मिलजुलकर कार्य करें ।वरिष्ठ पत्रकार अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि आज हमारे कार्यालयों में कार्य अंग्रेजी के माध्यम से कराए जाते हैं तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता है वहां भी हिंदी का प्रयोग कराया जाए तो सर्वोत्तम होगा ।इसके अलावा सरजू शरण पाठक, अखिलेश तिवारी सुट्टा, संदीप श्रीवास्तव ने भी हिंदी दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदी को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम का कुशल एवं सफल संचालन सार्थक नायक ने किया। अंत में कार्यक्रम के आयोजक करुणेंद्र व्यास तनु महाराज ने सभी पत्रकारों को श्री फल एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया । इस मौके पर आशुतोष गोस्वामी, हरिश्चंद्र नायक, कौशल किशोर, धर्मेंद्र सोनी बल्ले, कुलदीप यादव आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

रहीमाबाद से दो वांछित अपराधी गिरफ्तार, लंबे समय से थे फरार

अमन लेखनी समाचार

पुलिस गिरफ्त में दो वांछित आरोपी

लखनऊ। संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय कमिश्नरेट लखनऊ के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत रहीमाबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना रहीमाबाद प्रभारी निरीक्षक आनंद द्विवेदी के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने रविवार को दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी राजकिशोर यादव ग्राम रघुनाथ खेड़ा रहीमाबाद, रामकुमार रहीमाबाद कस्बा को पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे हैं और इस समय रहीमाबाद क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। भागने की कोशिश, लेकिन पुलिस रही सतर्क गिरफ्तारी के दौरान दोनों आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम की मुस्तैदी से उन्हें मौके पर ही दबोच लिया गया। तत्पश्चात नियमानुसार दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता, बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र से बीते दिनों एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने उन्नाव जिले के पुरवा स्थित जगाथा, मंगत खेड़ा निवासी रजनीश और उसकी बहन नीलम के खिलाफ बहला फुसला कर भगा ले जाने की बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थाना क्षेत्र निवासी पीड़ित ने आरोप लगाया है कि 11 सितंबर की दोपहर लगभग 12 बजे उसकी 15 वर्षीय बेटी को रजनीश अपनी बहन नीलम की मदद से बहला - फुसलाकर ले गया। पीड़ित का कहना है कि रजनीश कई महीनों से उसकी बेटी को बरगला रहा था। विरोध करने के बावजूद वह अपनी बहन के साथ षड्यंत्र कर प्रेम प्रसंग का झांसा देकर किशोरी को भगा ले गया। पीड़ित का कहना है कि घटना के दौरान घर में रखे लगभग 22 हजार रुपये और पत्नी की सोने की चेन, झुमकी व पायल भी ले गया है। काफी खोजबीन के बाद पीड़ित परिजनों ने मामले की तहरीर बंथरा थाने में दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी व किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही किशोरी को बरामद कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चौकी प्रभारी अर्जुन राजपूत ने दिव्यांग की बचाई जान, गोद में उठा का रेलवे क्रॉसिंग कराया पार

स्थानीय लोगों के दिल में बसे हरौनी चौकी इंचार्ज अर्जुन राजपूत, जनता का भरोसा किया मजबूत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के हरौनी चौकी प्रभारी अर्जुन राजपूत ने रविवार को ऐसा कार्य किया, जिसने न केवल एक दिव्यांग की जान बचाई, बल्कि मानवता की मिसाल भी पेश की। घटना लखनऊ-कानपुर रेल खंड स्थित हरौनी रेलवे क्रॉसिंग की है, जहां दोपहर करीब 12:15 बजे 35 से 40 वर्ष का एक दिव्यांग व्यक्ति मोहान की ओर जाने के लिए रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रहा था। दोनों पैरों से अपंग वह व्यक्ति ट्रैक के पास बैठा ही था कि उसी समय चौकी प्रभारी अर्जुन राजपूत वहां पहुंचे। स्थिति को देखते ही उन्होंने बिना देर किए दिव्यांग को गोद में उठा लिया और सुरक्षित रूप से रेलवे ट्रैक पार कराया। चौकी प्रभारी की इस संवेदनशील पहल को देखकर आसपास मौजूद लोग भावुक हो उठे और उनकी जमकर सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना था कि अगर हर पुलिसकर्मी इसी तरह जरूरतमंदों की मदद करे, तो समाज में पुलिस की छवि और बेहतर हो सकती है। अर्जुन राजपूत ने न केवल मानवता का परिचय दिया, बल्कि पुलिस और जनता के बीच भरोसे की डोर को भी मजबूत किया। इस घटना ने हरौनी क्षेत्र में सकारात्मक संदेश फैलाया है। चौकी प्रभारी का यह कदम साबित करता है कि छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं और दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकते हैं।

संक्षेप

बाढ़ के पानी में स्नान कर रहा युवक पानी मे डूबा मौजूद लोगों ने बचाया

उन्नाव। गंगा नदी में आई बाढ़ के पानी में नहा रहा युवक अचानक तेज बहाव में पड़ जाने से गहरे पानी में चला गया। साथ नहा रहे लड़कों ने उसे डूबता देख शोर मचाया जिसपर आस पास मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकाळ कर एम्बुलेंस से सीएचसी ले गए जहां उसका उपचार चल रहा है।अचलगंज थाना क्षेत्र के बसैना ग्राम के संभर खेड़ा निवासी रामगोपाल लोधी का अट्ठारह वर्षीय बेटा शिवा रविवार दोपहर गांव के समीप से गुजर रही नदिया में आए बाढ़ के पानी में अन्य दोस्तों के साथ नहाने गया था। अचानक पैर फिसलने से तेज बहाव में चला गया। शिवा तैरना नहीं जानता था।जिससे वह डूबने लगा।साथ के लोगों ने उसे किसी तरह बाहर निकाला और फोन से एम्बुलेंस बुलाकर उसे अचलगंज सीएचसी भेजा है। जहां उसका उसका उपचार चल रहा है।

बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, हुई मौत

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र में रविवार को बदरका चौराहे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम उत्था, थाना ककवन निवासी सुखधाम शुक्ला के रूप में हुई। सुखधाम शुक्ला कानपुर से उन्नाव लौट रहा था। बदरका चौराहे के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सुखधाम लेबर का काम करते थे। वह अपने परिवार का भरण-पोषण करने में मदद करते थे। उनकी शादी केवल तीन महीने पहले हुई थी। पत्नी और मां ममता शुक्ला सहित परिवार के सदस्य सदमे में हैं। अचलगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

शराब के नशे में युवक ने पत्नी व बच्चों से किया विवाद फिर लगा दी छत से छलांग

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत राजाखेड़ा गांव में पत्नी दिव्या का पति संतोष शनिवार रात 9 बजे शराब के नशे में घर आया. इस पर दिव्या और बच्चों ने एतराज जताया. दिव्या ने कहा कि बच्चे बड़े हो रहे है और तुम शराब पीकर आए हो.बस फिर क्या था इसी बात पर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद संतोष बच्चों के साथ भी झगड़ना शुरू कर दिया .इसी बात को लेकर संतोष अचानक छत पर गया.और छलांग लगा दी.छलांग लगाते ही घर में चीख पुकार मच गई.चीख पुकार सुन मोहल्ले के लोग भरी संख्या में इकट्ठा हो गए. और डायल 108 एंबुलेंस की मदद से संतोष को सीएचसी बांगरमऊ में भर्ती कराया गया है।जहां उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोट आई है।पति पत्नी का मामला था इसलिए परिजनों ने पुलिस कार्रवाई नहीं की.अस्पताल आई पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है।

सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा , डॉ रचना सिंह और डा.प्रदीप को मिला ग्रीन आर्मी सम्मान

अमन लेखनी समाचार

दरोगा अनूप मिश्र सहित शिक्षक रचना एवं प्रदीप ग्रीन आर्मी अवॉर्ड से हुए सम्मानित

उन्नाव। ग्रीन भारत अभियान के तहत पर्यावरण के प्रति अनवरत किए जा रहे जुझारू प्रयासों हेतु उन्नाव पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी सब इंस्पेक्टर ट्री मैन अनूप मिश्रा अपूर्व , बच्चों की ग्रीन आर्मी बना समुदाय में जागरूकता अभियान चला रही कटरी पीपरखेड़ा, कंपोजिट विद्यालय उन्नाव में कार्यरत राज्य पुरुस्कार प्राप्त शिक्षिका डॉ रचना सिंह और ग्रीन स्कूल मुहिम के जरिये वृक्ष संरक्षण की अलख जगा रहे यूपीएस रामपुर गढ़ौवा, औरास-उन्नाव के सहायक शिक्षक डा.प्रदीप कुमार वर्मा को निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन द्वारा ग्रीन आर्मी सम्मान प्रदान किया गया।सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व को यह सम्मान विभिन्न जनपदों में पर्यावरण के प्रति चलाए जा रहे उनके अभियान, वृक्षारोपण के कार्यों में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए तथा डॉ रचना सिंह को यह सम्मान जनपद में पर्यावरण जागरूकता की उनकी मुहिम तथा अपने विद्यालय सहित कई विद्यालयों में उनके वृक्षारोपण के प्रयासों और डा.प्रदीप कुमार वर्मा द्वारा स्कूलों में अधिक से अधिक पौधारोपण कार्यक्रम संयोजित करवाने के कार्यों को देखते हुए प्रदान किया गया। इस सम्मान को प्राप्त करने पर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व ने निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार का आभार व्यक्त किया ।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय वन शहीद दिवस 1730 में राजस्थान के खेजरली गांव में पेड़ों की रक्षा करते हेतु अपने प्राणों का बलिदान देने वाले 400 बिश्नोई समाज के लोगों की याद में मनाया जाता है ।उन्होंने सभी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हम सभी को उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए तथा वृक्षों की रक्षा में अपना योगदान देना चाहिए। डॉ रचना सिंह ने बताया कि ग्रीन उन्नाव क्लीन उन्नाव मुहिम के तहत ट्री मैन सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा के साथ मिलकर समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे तथा विद्यालयों में वृक्षारोपण के साझा प्रयास किए जाएंगे और इस अभियान में विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों का भी सहयोग लिया जाएगा।

आई फ्यू का संक्रमण तेजी से फैल रहा गांवो व कस्बो में

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। लगातार गर्मी में उतार-चढ़ाव के कारण इस समय अस्तपतालो में आई फ्यू के मरीज बढ़ते जा रहे ।तहसील बीघापुर के कस्बो,गाँवो व स्कूलो में बड़े से लेकर बच्चो तक ये संक्रमण फैल रहा है । सुमेरपर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से बातचीत के दौरान उन्होंने इस संक्रमण से बचने के उपाय बताये गए।

तेजी से बढ़ रहे आई फ्यू यानी कंजंक्टिवाइटिस को ?पिंक आई? के रूप में भी जाना जाता है। यह एक संक्रमण है, जो कंजंक्टिवा की सूजन का कारण बनता है। कंजंक्टिवा क्लियर लेयर होती है, जो आंख के सफेद भाग और पलकों की आंतरिक परत को कवर करती है। मानसून के दौरान, कम तापमान और हाई ह्यूमिडिटी के कारण, लोग बैक्टीरिया, वायरस और एलर्जी के संपर्क में आते हैं, जो एलर्जिक रिएक्शन्स और आई इंफेक्शन जैसे कंजंक्टिवाइटिस का कारण बनते है कंजंक्टिवाइटिस, जिसे ह्लपिंक आई, के रूप में भी जाना जाता है, कंजंक्टिवा (पतली और क्लियर लेयर, जो पलक के अंदर की परत और आंख के सफेद हिस्से को ढकता है) में होने वाली सूजन है। इसे पिंक आई इसलिए कहा जाता है, क्योंकि कंजंक्टिवाइटिस के कारण अक्सर आंखों का सफेद भाग गुलाबी या लाल हो जाता है।"

डॉ नरेंद्र कृष्णा ने बताया इसमे तीन प्रकार का संक्रमण हो सकता है

वायरल संक्रमणः वायरल कंजंक्टिवाइटिस अत्यधिक संक्रामक है और अक्सर सामान्य सर्दी जैसे श्वसन संक्रमण के साथ होता है। यह दूषित सतहों या श्वसन बूंदों के सीधे संपर्क से आसानी से फैल सकता है। बैक्टीरियल संक्रमणः बैक्टीरियल कंजंक्टिवाइटिस बैक्टीरिया के कारण होता है और अत्यधिक संक्रामक भी हो सकता है। यह दूषित हाथों, मेकअप या कॉन्टैक्ट लेंस जैसे सोर्स से बैक्टीरिया के संपर्क में आने के कारण हो सकता है। एलर्जिक रिएक्शनः एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस तब होता है, जब कंजंक्टिवा पराग, धूल के कण, पालतू जानवरों के फर, या कुछ दवाओं जैसे एलर्जी के प्रति रिएक्शन करती है। यह संक्रामक नहीं है।

कंजंक्टिवाइटिस से ऐसे करें बचाव

डॉ नरेंद्र कृष्णा ने बताया कि हाथों की स्वच्छता बनाए रखें और अपने हाथ बार-बार धोएं, दूषित हाथों के कारण ही कंजंक्टिवाइटिस फैलता है। आंखों के मेकअप और तौलिये जैसी निजी वस्तुओं को साझा करने से बचें। चूंकि कंजंक्टिवाइटिस संक्रामक है, इसलिए जिन लोगों को आई फ्लू है, उनके साथ करीब जाने से बचे। डॉक्टर की सलाह पर उचित आई ड्राप आंख में समय समय पर डालते रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मौलवीखेड़ा गांव निवासी अवधेश (33) पुत्र कुंवरलाल की शनिवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, अवधेश शनिवार रात करीब 10 बजे ऊंचाद्वार स्थित प्लांट से काम खत्म कर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मोहान गैस एजेंसी के पास पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।इधर, देर रात तक जब अवधेश घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने रिश्तेदारों को फोन कर खोजबीन शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। रविवार दोपहर जब परिजन तहरीर देने कोतवाली पहुंचे तो उन्हें पुलिस ने हादसे की जानकारी दी। यह सुनते ही परिवारजन बेसुध होकर रोने-बिलखने लगे।मृतक अवधेश तीन भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़े थे। एक भाई की शादी बाकी है जबकि दोनों बहनों की शादी हो चुकी है। अवधेश की पत्नी रानी और चार बच्चे हैं। बड़ा बेटा विशाल 16 वर्ष का है। माता-पिता चंडीगढ़ में रहते हैं।परिजनों का कहना है कि अवधेश रोज की तरह शनिवार को भी काम पर गए थे और देर रात घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पितृपक्ष में गंगा घाट पर पिंडदान तर्पण के लिए लोगों की उमड़ रही भीड़

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। हिंदू मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष में अधिकतर लोग अपने पूर्वजों के क्रिया कर्म करने की मान्यता चली आ रही है उसी के तहत बक्सर गंगा घाट में प्रतिदिन लोगों की भीड़ सुबह इकट्ठा हो रही है तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन के क्षेत्र से पतित पावनी गंगा मां प्रवाहित हो रही हैं। ग्राम डौंडिया खेड़ा ग्राम की भूमि से गंगा प्रवाहित हो रही है ।बक्सर घाट पर पितृ पक्ष में प्रतिदिन सैकड़ो लोग अपने पूर्वजों की क्रिया कर्म के लिए आ रहे हैं। हिंदू धर्म के मान्यता के अनुसार पितृपक्ष में क्रिया कर्म करने से अधिक शुभ माना जाता है जो लोग अपने पूर्वजों के मृत्यु के तुरंत बाद क्रिया कर्म नहीं कर पाते हैं वह लोग अधिकतर पितृपक्ष में क्रिया कर्म करते हैं जिसके लिए अपने पूर्वजों को क्रिया कर्म के लिए गंगा के किनारे जाना शुभ माना जाता है पितृपक्ष में बक्सर गंगा घाट पर प्रतिदिन पूर्वजों के मोक्ष के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन पिंडदान तर्पण के लिए आ रहे हैं ।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पवित्र स्थान पर किए गए श्रद्धा और पिंडदान से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है यह सदियों पुरानी परंपरा लोगों की आस्था और प्रति आज भी लगातार चल आ रही

शिक्षक संघ के ब्लाक महामंत्री का हुआ आकस्मिक निधन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के बारासगवर के गांव सथनी बाला खेड़ा में रहने वाले जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक महामंत्री संदीप द्विवेदी उम्र 48 वर्ष के आकस्मिक निधन की खबर सुनते ही शिक्षा जगत में शोक फैल गया शिक्षक की मौत की खबर सुनते ही शिक्षक साथी उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की । संदीप द्विवेदी उच्च प्राथमिक विद्यालय चिलौली में इंचार्ज शिक्षक थे ।शनिवार सुबह 7 बजे स्नान करने के बाद योग कर रहे थे अचानक गिर पड़े घर में मौजूद पत्नी विमला ने घर में रहने वाले जेठ प्रदीप को सूचना दी ।परिजन सौ शैय्या अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से रेफर के बाद कार्डियोलॉजी लेकर गए जहां डॉक्टर ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही घर में मौजूद मां निर्मला देवी पत्नी विमला व 12 वर्षीय पुत्री वैष्णवी का रो रो कर बुरा हाल है । परिजनों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा टेट अनिवार्य किए जाने से पिछले एक हफ्ते से परेशान चल रहे थे ।शिक्षक साथी की मौत की खबर सुनकर खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता,राजकिशोर गौतम,शशि कनौजिया ,प्रशांत सिंह, विंध्यप्रसाद द्विवेदी, सुनील कुमार, डा0संदीप गुप्ता प्रशांत शुक्ला, ज्योत्स्ना शुक्लाआशुतोष बाजपेई दीपक बाबू दुर्गेश शुक्ला जय शंकर सिंह ,जीतेन्द्र सिंह चंदेल ,विश्वनाथ सिंह विजय सिंह संजीव मिश्रा ने आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण का हुआ समापन

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कृषि विज्ञान केंद्र धौरा उन्नाव में राष्ट्रीय मधुमक्खी एवं शहद मिशन योजनांतर्गत (NBHM) के तहत वैज्ञानिक विधि से मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण चलाया जा रहा था। आज प्रगतिशील कृषकों एवं बेरोजगार युवाओं को मधुमक्खी पालन का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमाण पत्र देकर समाप्त किया गया। प्रमुख अन्वेषक मधुमक्खी पालन परियोजना डा जय कुमार यादव ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्नाव, अयोध्या एवं देवरिया जिले के ग्रामीण युवाओं, किसान , महिला किसान, एफपीओ के निदेशक एवं सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सफीपुर नेचर फार्मिंग एफपीओ के निदेशक कुलदीप राज एवं नीलू सिंह का कहना था कि हम सभी का उद्देश्य प्रशिक्षण करने के उपरांत उद्यम स्थापित करना युवाओं को रोजगार देना एवं क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संपादित करना है । वहीं सफीपुर ब्लॉक के धनंजय सिंह का कहना था कि मुझे खुशी है इस बात कि सात दिवसीय प्रशिक्षण मैने सफलता पूर्वक प्राप्त किया और कहा कि आगे चल कर मैं मधुमक्खी पालन का उद्यम स्थापित करूंगा जिससे अपने क्षेत्र के युवाओं को रोजगार दे सकूं। अयोध्या से आए हुए ग्रामीण युवा आलोक कुमार वर्मा ने बताया कि मुझे उद्यान निदेशालय लखनऊ द्वारा पता चला था कि मधुमक्खी पालन परियोजना के अंतर्गत निशुल्क सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केंद्र धौरा उन्नाव में कराया जा रहा है और इस कार्यक्रम में मै शामिल हुआ और सात दिन रुक कर ट्रेनिंग लिया जो कि मेरे लिए बहुत ही अच्छा रहा अब घर जाकर अपना उद्यम स्थापित करूंगा जिससे हमारे गांव के लोगों को भी रोजगार मिल सके और उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े। देवरिया के रहने वाले विजय निषाद ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान भ्रमण कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा जिससे वहां पर कृषकों को मधुमक्खी के बक्सों में रानी मधुमक्खी, नर मधुमक्खी एवं श्रमिक मधुमक्खियों की पहचान करना सिखाया गया। और प्रसंस्करण इकाई को भी दिखाया गया जिससे प्रोसेसिंग की प्रक्रिया समझ में आ सकी। डा यादव ने अंत में बताया कि सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी लोगों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया जिससे आगे चल कर इस क्षेत्र में उद्यम स्थापित कर सके। कार्यक्रम में सोनू कुमार कुशवाहा, रंजीत, शुभम कुमार, भागीरथ, प्रेम नंदिनी, अरविंद कुमार वर्मा, पवन, आदि लोग उपस्थित रहे।

पारिवारिक कलह के चलते नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। औरास थाना क्षेत्र में पारिवारिक कलह के चलते नवविवाहिता ने ससुराल में अपने घर के अंदर बने कमरे को बंद कर धोती के फंदे से फांसी पर झूल गई। परिजनों को रविवार सुबह जानकारी होने पर पति कि सूचना पर पहुँची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर नायब तहसीलदार की उपस्थिति में शव को नीचे उतरवाया ।जहाँ जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

औरास थाना क्षेत्र के मवई गांव निवासी गंगाराम के बेटा अंकुर कश्यप की शादी 5 माह पूर्व जनपद हरदोई के थाना अतरौली के महगवां गांव निवासी चंदा उर्फ रामचन्द्र की 22 वर्षीय बेटी नन्ही के साथ हुई थी। पारिवारिक कलह के चलते नन्ही ने अपनी ससुराल में घर के अंदर कमरा बंद कर धोती का फंदा लगाकर फांसी पर झूल गई। काफी समय बीत जाने पर जब कमरा नही खुला तब रविवार सुबह परिजन कमरे में झांक कर देखा कि वह फाँसी पर झूल रही है। जिससे परिजनों में चीख पुकार मच गई पति की सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम व नायब तहसीलदार को बुला कर कमरे का दरवाजा खुलवाया ।इसके बाद शव को फाँसी के फंदे से नीचे उतरवाया । जहाँ जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। सूचना पर पहुँचे मायके पक्ष के लोगो ने समाचार लिखे जाने तक कोई तहरीर नही दी है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

पुरानी रंजिश को लेकर दबंगो ने युवक पर किया जानलेवा हमला

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। लखनऊ जिला बंथरा थाना क्षेत्र के तिर्वा गांव निवासी अनुज वर्मा पुत्र बाबूलाल अपने गांव से हसनगंज कस्बा में बहन अंजना के यहां शनिवार देर शाम 7,30 बजे स्कूटी से जा रहा था, तभी क्षेत्र के ही लखनऊ बांगरमऊ मार्ग के एक रेस्टोरेंट के पास पहुंचा ही था कि मोहान कस्बा निवासी विवेक अपने अन्य तीन साथियों के साथ स्कूटी को ओवर टेक कर रुकवा कर मारपीट करने लगा तभी विवेक ने चाकू से अनुज शर्मा के पेट में वार कर दिया सामने से वाहन आते देख सभी मोहान की तरफ भाग गए घायल को पुलिस सीएचसी लेकर गए जहा इलाज के बाद घर भेज दिया गया, घायल अनुज वर्मा ने बताया कि बहन की क्लीनिक में एक युवती काम करती थी, जिसे विवेक छः माह पूर्व भगा ले गया था,पुलिस दोनों को पकड़ कर लाई थी दोनों बालिग होने पर उनको छोड़ दिया था , इससे विवेक रंजिश मानता था। युवक की तहरीर पर पुलिस ने एक ज्ञात सहित तीन अज्ञात हमलावरों पर धार दार हथियार से हमला की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। क्षेत्राधिकारी अरविंद चौरसिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज हुई है जांच की जा रही है मामला संदिग्ध लग रहा है फिर भी हर बिंदु पर जांच के बाद धाराएं बढ़ाई जाएंगी ।

गंगा नदी के बढ़े जलस्तर से पुल हुआ क्षतिग्रस्त

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के गढ़ेवा गांव के सामने गंगा नदी पर बना पुल तक पहुंचने वाला एप्रोच मार्ग पहले ही बह चुका था इस बार गंगा में बढ़े जलस्तर और कटान के कारण पुल की पहली कोठी के पास ही 50 मीटर कटान हो जाने से पुल पुरी तरह औचित्यहीन हो गया है। गढ़ेवा गांव के सामने गंगा नदी पर बना पुल जो गंगा कटरी के दर्जनों गांवों को कानपुर शहर पहुंचने के लिए कानपुर प्रयागराज रोड पर सिकठिया पुरवा में जोड़ता है ।तहसील छेत्री गंगा कटरी में होने वाली सब्जी की फसल व दूध सीधे लोग कानपुर लेकर जाते थे लेकिन पिछले तीन वर्षों से लगातार कटान के चलते बड़े चार पहिया वाहनों का आवागमन बंद था लोग किसी तरह खेतों से आवागमणकर पुल पर चढ़ जाते थे। इस बार बाढ़ व कटान के चलते पुल की पहली कोठी के पास ही अप्रोच मार्ग लगभग 50 मी कट गया है ।स्थानीय ग्रामीणों सुधीर सिंह चौहान,अन्नू सिंह, आनंद शुक्ला, प्रदीप शुक्ला , उमाशंकर लोधी का कहना है कि पहले अगल-बगल खेतों से जाकर लोग पुल पर चढ़कर कानपुर पहुंच जाते थे ।पुल के पास ही कटान हो जाने से पैदल भी पुल पर चढ़ना बाद हो जाएगा। 3 साल से सरकारी लापरवाही का दंश कटरी वासी झेलने को मजबूर है। समाजसेवी समाजवादी नेता सुभाष बाजपेई ने कहा कि पिछले तीन सालों में दो जगह कटी सड़क से प्रशासन आवागमन नहीं सुधार सका अब तो आवागमन दूर की कौड़ी है ।कटरी क्षेत्र वासियों में प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ लोगों में आक्रोश है। गंगा के पुल के उस पार विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का क्षेत्र लगता है।

जुआ खेल रहे चार जुवारी चढ़े पुलिस के हत्थे

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र की लालकुआं चौकी क्षेत्र के गांव रुझिहई में जुआं खेल रहे चार लोगों को पुलिस ने धर दबोचा। रुजिहाई स्थित रामनाथ इंटर कॉलेज के पीछे झाड़ियों में जुआ चल रहा था सूचना मिलने पर एस आई सुनील बाबू अवस्थी सिपाही रोहन ,विवेकशील मौके पर जाकर घेराबंदी की। मौके से शिव प्रताप चौहान निवासी रुजिहई विवेक निवासी गांधीनगर, कुलदीप निवासी आजाद नगर, शिवकुमार निवासी संदोही नगर मिले जिनके पास से ताश की गड्डी , मौके से 4395 रुपए मिले। थाना अध्यक्ष राजपाल ने बताया कि चारों के विरुद्ध जुआं अधिनियम की कार्यवाही की गई है।

जहरीला कीड़ा काटने से महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

असोहा, उन्नाव। थाना क्षेत्र के सोहो निवासी सोहन की 22 वर्षीय विवाहित बेटी सीता मायके मे ही रहती थी। शनिवार को वह घर पर लेटी थी। रविवार लगभग चार बजे भोर पहर किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। परिजन सीता को लेकर पहले झाड़फूंक के लिये पड़ोसी गांव रामपुर ले गये कोई फायदा ना होने पर कालूखेड़ा स्थित एक निजी अस्पताल ले गये जहां उसकी मौत हो गयी। पिता सोहन ने पुलिस को सर्प दंश से मौत की तहरीर दी है ।पुलिस ने शव को पीएम के लिये भेजा। सीता के पति मुकेश अन्य प्रदेश मे मजदूरी करते है और वहीं पर है। सीता के एक वर्ष की बेटी है। एसओ निखलेश कुमार ने बताया परिजन सर्प दंश से मौत होने की तहरीर दी है ।पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी

24 घंटे में 4 घंटे भी नहीं मिल रही बिजली, उपभोक्ताओं में बढ़ा आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। विकासखंड क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही उपभोक्ताओं के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। आलम यह है कि पिछले दो दिनों से 24 घंटे में मुश्किल से चार घंटे ही बिजली आ पा रही है। सन्दाना फीडर रात में केवल दो घंटे और दिन में दो घंटे की ही आपूर्ति हो रही है। इस कड़ी धूप और उमस भरी गर्मी में लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद विभागीय अधिकारियों पर कोई असर नहीं हो रहा ।ग्रामीणों ने बताया कि जेई साहब को चार से पांच बार फोन मिलाया गया, लेकिन उन्होंने फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। इससे उपभोक्ताओं में गहरी नाराजगी है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली बिल वसूलने के समय विभाग के कर्मचारी समय पर पहुंच जाते हैं, लेकिन जब बिजली देने की बारी आती है तो अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेदारी से बचते हैं। बिजली न मिलने से गाँवों में पानी की किल्लत भी बढ़ गई है। हैंडपंप और मोटर चालू न होने से लोग पीने का पानी तक जुटाने में परेशान हो रहे हैं। दुकानदारों और छोटे कारोबारियों का कहना है कि बिजली न आने से उनका व्यापार चौपट हो रहा है।

युवती हुई लापता, पिता ने उसकी सहेली पर दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारा सगवर अन्तर्गत पुत्री के घर से चले जाने पर पिता ने पुत्री की सहेली के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री पिछले शनिवार को अपनी सहेली के साथ घर से टिटनेश का इंजेक्सन लगवाने की बात कह कर घर से रखा 1 सोने का हार माँग टीका सोने का व झाला व 6500 रु नगद लेकर चली गयी है। अभी तक पुत्री का कोई पता नहीं चल सका । पुत्री अक्सर मो0.92113 पर बात किया करती थी । थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया पिता की तहरीर के आधार पर पुत्री की सहेली के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सम्पादकीय

पड़ोसी नेपाल के हालात से सतर्क रहने की जरूरत

प्रधानमंत्री केपी ओली के इस्तीफा देने और सेना के मोर्चा संभालने के बाद धीरे-धीरे नेपाल का जनजीवन पटरी पर लौट रहा है। पूरे देश में वरिष्ठ नेताओं पर हमले हुए। संसद, सुप्रीम कोर्ट, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति आवास को जला दिया गया। जब नेपाली सेना ने मोर्चा संभाला, तब जाकर कुछ शांति लौटती दिख रही है। हालांकि, जेनरेशन-जी नेताओं ने राष्ट्रपति और सेना प्रमुख से बातचीत के दौरान कई मांगें रखी हैं। इनमें नेपाली संसद को भंग करना, जल्दी चुनाव करवाना और अपनी पसंद के गैर राजनीतिक व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त करना शामिल है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि प्रदर्शनकारी नेपाल के संविधान को बदलने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तस्वीर साफ नहीं है कि आगे क्या होने वाला है। हां, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्र को आश्वासन दिया है कि वह संविधान के दायरे में देश के मौजूदा राजनीतिक संकट को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि अभी अंतरिम सरकार बनाने की कवायद चल रही है। यही अंतरिम सरकार बाद में नेपाल में चुनाव करवाएगी। अभी नेपाल में जो बवाल और स्थिति है, उसे कंट्रोल करने के लिए अंतरिम सरकार की जरूरत है। अभी नेपाल का मुखिया कौन होगा, यह तय नहीं है। मगर माना जा रहा है कि सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का चीफ बनाया जा सकता है। अगले कुछ ही घंटों में यह साफ हो जाएगा कि नेपाल की कमान कौन संभालने वाला है, लेकिन अभी भी यक्ष प्रश्न यही है कि इतना बड़ा बवाल हुआ क्यों। नेपाल की पूर्व शिक्षा मंत्री सुमना श्रेष्ठ कहती हैं कि हंगामे के पीछे सोशल मीडिया पर प्रतिबंध मुख्य कारण नहीं है। यह तो बस ताबूत में आखिरी कील थी। मेरी पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 21 सांसद, संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी बन गई, या काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह सबसे लोकप्रिय नेता बन गए, यह यूं ही नहीं हुआ। देश में गहरा आक्रोश और असमानता है। राजनीतिक दल वर्षों से किए गए अपने वादों पर खरे नहीं उतरे हैं। हमें नौकरी और शिक्षा के लिए पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। हर प्रतिष्ठान पर उन पार्टियों का कब्जा है जो निरंकुश संस्थाओं की तरह चलती हैं। प्रधानमंत्री पद म्यूजिकल चेयर की तरह चल रहा है। इसी से युवाओं में लंबे समय से बहुत गुस्सा था और कुछ निहित स्वार्थी समूह उनके गुस्से का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी कारण लोगों के बिजनेस पर हमले हुए। प्रदर्शन शुरू होने के बाद पुलिस ने आधी रात तक बर्बर कार्रवाई की। यूनिफॉर्म पहले बच्चों को गोलियां मारी गई, जिसने आग में घी डालने का काम किया। विरोध इतना हिसंक हुआ कि 30 से ज्यदा लोगों की जान चली गई। अरबों रुपये की संपति का नुकसान हुआ। अब तय है कि सता और व्यवस्था में बड़ा बदलाव होगा। जेन जेड संविधान को पूरी तरह से खारिज करने के बजाय उसके कुछ अनुच्छेदों को निलंबित करना चाहता है। उम्मीद की जा रही है कि 6-12 महीनों में चुनाव होंगे और जनता के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी। नेपाल में जो स्थिति बनी, उसके लिए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उनकी मनमानी नीतियां ही उन्हें ले डूबीं। नेपाल के लिए चिंता का विषय केवल यह नहीं कि वहां भावी अंतरिम सरकार किस रूप में गठित होगी। उसके लिए चिंतन की बात यह भी है कि युवाओं में दोबारा ऐसा आक्रोश पैदा न हो। यह सही समय है कि नेताओं की नई पीढ़ी नेपाल का नेतृत्व करने आगे आए और अपने पुराने नेताओं की गलतियों से सबक सीखे। भारत को भी नेपाल की चिंताजनक स्थितियों से सतर्क रहना होगा।

सहकारिता

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

स्त्री सशक्तीकरण में सहकारिता भागीदार

> देश के विविध क्षेत्रों में सहकारिता ने ऐसा संबल प्रदान किया है कि इसके साथ मैत्री स्थापित कर नि:शक्त, बुजुर्ग, महिलाएं और कामकाजी वर्ग सभी ने अपने जीवन को तराशना शुरू कर दिया है। खासकर, महिलाएं आर्थिक समृद्धि पा रही हैं। भारत की महिलाएं जो न केवल अपने जीवन में उजाला लाने में सक्षम बन रही हैं अपितु अपने घर परिवार को अच्छे से सहेज रही हैं। सरकार की तरफ से किया जा रहा यह प्रोत्साहन उनके जीवन को स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहा है। एक बात सच यही है कि जब महिलाएं सशक्त होंगी तो भारत सशक्त बनेगा। इसलिए यह ज़रूरी है कि देश में सहकारिता को आगे बढ़ाया जाए और उसके केंद्र में महिलाएं हों।

सहकार से समृद्धि भारत में सहकारिता श्लोगन अब नहीं है। यह एक संगठित पहल बन गया है। विविध चुनौतियों के बीच आर्थिक सशक्तीकरण से ही कोई राष्ट्र अपने नागरिकों के सर्वाधिक कल्याण की बात सोच सकता है। देश के विविध क्षेत्रों में सहकारिता ने ऐसा संबल प्रदान किया है कि इसके साथ मैत्री स्थापित कर निःशक्त, बुजुर्ग, महिलाएं और कामकाजी वर्ग सभी ने अपने जीवन को तराशना शुरू कर दिया है। खासकर, महिलाएं आर्थिक समृद्धि पा रही हैं। भारत की महिलाएं जो न केवल अपने जीवन में उजाला लाने में सक्षम बन रही हैं अपितु अपने घर परिवार को अच्छे से सहेज रही हैं।

आधी आबादी के प्रश्न पर बात करने व उनके सभी अधिकारों की रक्षा करने की समय-समय पर उठती आवाजें यदि सहकारिता को अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो उनको सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। प्रायः देश में स्त्रियों के लिए जो स्त्रीवादी चिन्तक चिंता करते रहे हैं कि उन्हें पुरुषों के बराबर भागीदारी से वंचित किया जाता है और पितृसत्तात्मक समाज स्त्रियों के विकास में बाधा हैं। यह सहकारिता से जुड़ी महिलाओं ने अब यह सिद्ध कर दिया है कि पितृसत्तात्मक समाज जैसा विमर्श हमारे स्वावलंबी जीवन में न बढ़ा है और न ही इससे हम घबराते हैं। ये भारतीय महिलाएं सहकारिता से आत्मनिर्भर बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और हर तरह से सशक्त बनकर ऐसी मिसाल बनाने के लिए तत्पर हैं जो महिलाओं के स्वत्व को प्रतिबिंबित करते हैं।

देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहाकारिता क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं को लेकर अब इतना निश्चिन्त व आशान्वित हैं कि हमारे देश को चाहे कोई भी विकसित राष्ट्र बनने से रोके लेकिन सहकारिता से जुड़ी महिलाओं का उत्साह इस देश को सशक्त भारत बना देगा। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने सच में इस मंत्रालय के माध्यम से पुरजोर प्रयास किया है और एक सक्षम समाज निर्माण करने की अपनी निष्ठा को मजबूती प्रदान की है। सहकारिता क्षेत्र में यह उनका अपना पुरुषार्थ अब बोल रहा है। सफलताओं की अनेक कहानियां कह रहा है। सशक्त एवं सक्षम महिलाएं जो कि सहकारिता के माध्यम से अपने जीवन में गुणात्मक सुधार लायी हैं, वह उनके सहकारिता संवाद में भी दिखा है। यह सनावद कार्यक्रम अब भारत में सराहना बटोर रहा है।

सहकारिता क्षेत्र में बुनियादी बातें जो महिला केंद्रित हैं, उसे भी जानना जरूरी है। इसके तहत यदि हम सर्वप्रथम बात करें बहु-राज्य सहकारी समितियों की तो इसके बोर्ड में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था अब दिखने लगी है। पहले जो बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम-2002 था, उसमें संशोधन करके बहु-राज्य सहकारी समितियों के बोर्ड में महिला निदेशकों की अनिवार्यता की गई। इसका फायदा यह होने वाला है कि संपूर्ण भारत की 1,550 से ज़्यादा बहु-राज्य सहकारी समितियां हैं, उनके बोर्ड में महिलाओं का प्रतिनिधित्व हो जाएगा। दूसरा, आदर्श उपनियमों को अपनाकर प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों में भी महिला सदस्यों के लिए आरक्षण किया गया है। सहकारिता मंत्रालय ने अब पैक्स के लिए आदर्श उपनियम तैयार कर लिया है। एक लाख से अधिक पैक्स में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सीधे बनने जा रहा है। मंत्रालय ने तो अब अनुसूचित

जाति या अनुसूचित जनजाति की दो महिलाएओं की भागीदारी सनिश्चित करके एमएससीएस में नए प्रावधान कर दिए। इससे अब वह शिकायतें नहीं शेष रहेंगी जो मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटी को लेकर हुआ करती थीं। सीईए की स्थापना के बाद तो देश की एमएससीएस के निदेशक मंडल आकस्मिक रिक्ति सहित के 146 चुनावों में 293 महिला निदेशक चुनी भी गईं। पीएसीएस राज्यों द्वारा अपने-अपने सहकारी अधिनियमों के अंतर्गत पंजीकृत सहकारी समितियां भी होती हैं। वे भी किस प्रकार महिलाओं के लिए सहकारिता मामले में सहयोगी हों, उस पर भी व्यापक चिंतन सरकार करती रही हैं और आने वाले समय में उनके लिए भी उसकी शिफरिशें आएंगी तो वहां भी सशक्तीकरण होगा।

सबसे अहम् बात उभरकर सामने आई है कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम जिसे एनसीडीसी कहते हैं, वह भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के तहत एक वैधानिक संगठन है। एनसीडीसी द्वारा स्वयं शक्ति सहकार योजना को लागू कर रहा है। इसमें नंदिनी सहकार योजनाएं पूरी तरह से वित्त पोषित और समर्थित हैं जिसका लाभ सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं को मिलेगा। जब एनसीडीसी के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों और 9 उप-कार्यालयों के माध्यम से योजनाओं के कार्यान्वयन होगा तो महिला सहकारी समितियों को समय पर ऋण लेनदेन प्रवाह सुनिश्चित होगा। वित्तीय सहयोग प्राप्त कर चुकी महिलाएं अपने लिए अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकेंगी क्योंकि वित्तीय प्रवाह की कमी ही तो महिलाओं के जीवन प्रवाह को बाधित कर देते हैं। सहकारिता से उद्यमिता और उद्यमिता से आत्मनिर्भरता की आत्मगाथा अब महिलाएं बनने जा रही हैं।

एक विकास की यात्रा पर अग्रणी देश सर्वदा यही चाहता है कि उसके नागरिकों के बीच महिला नागरिक ज्यादा सशक्त हों और वे समग्रता से आगे बढ़ें। सबसे अच्छी बात यह है कि ये सहकारिता से जुड़ी महिलाएं डिजिटलीकरण को बढ़ावा दे रही हैं। अपने परिवार व बच्चों के लिए पढाई-लिखाई व जीवन-निर्वाह का माध्यम बन रही हैं। यह आगे बढ़ते हुए भारत की तस्वीर है। यह उस भारत की तस्वीर है जो अपने आज़ादी के बाद 75 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर अपने अमृतकाल में गतिमान है। सच में, महिलाओं को अर्थव्यवस्था में भाग लेने के लिए सशक्त बनाने से उनके परिवारों के जीवन और समुदायों पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है और स्थायी आजीविका के साधन बनाने में मदद मिलती है, ऐसे कई अध्ययन हमें मिलते हैं।

स्त्री सशक्तीकरण के साथ समाज व देश सशक्तीकरण के लिए इतना उपयोगी माध्यम बन जाएगा, ऐसा अब से पहले इतने विश्वास के साथ लोग सोचते भी नहीं थे। अब महिलाओं की सहकारिता क्षेत्र में स्वयं की ओर से व्यक्त की गयी अभिरुचि और सरकार द्वारा किए जा रहे नए प्रयास व योजनाओं ने यह विश्वास जागृत कर दिया है कि हमारे देश के विकसित भारत बनने में यह भी एक उत्कृष्ट माध्यम है। बहुत से नए प्रयास गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह व उनकी टीम ने शुरू किया है, उसे और सुदृढ़ता से आगे बढ़ाना जरूरी है। भारत का एनडीडीबी, आनंद में सहकारिता के माध्यम से महिलाओं सशक्तीकरण हो रहा है। एनडीडीबी सहकारी प्रणाली में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि के लिए महिला डेरी सहकारिताओं को बढ़ावा देती है। दूध संघों को संपूर्ण महिला डेरी सहकारिताओं का गठन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सरकार की तरफ से किया जा रहा यह प्रोत्साहन उनके जीवन को स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहा है। एक बात सच यही है कि जब महिलाएं सशक्त होंगी तो भारत सशक्त बनेगा इसलिए यह ज़रूरी है कि यदि देश में सहकारिता को आगे बढ़ाया जाए और उसके केंद्र में महिलाएं हों।

प्रचलन

विवेक शुक्ला

चीन की सत्ता व सैन्य शक्ति के प्रतीक हैं काले बाल

चीन की राजधानी बीजिंग में बीती 3 सितंबर को आयोजित विक्ट्री डे परेड ने सारी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। इसमें चीनी सेना ने अपनी शक्ति, अनुशासन और एकता का शानदार प्रदर्शन किया। परेड में हजारों सैनिकों, नेताओं और सैन्य उपकरणों ने हिस्सा लिया, लेकिन क्या आपने गौर किया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग से लेकर किसी भी अन्य नेता या सैनिक के चेहरे पर दाढ़ी या मूंछ नहीं थीं। सबके चेहरे सफाचट। टीवी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को कुछ वयोवद्ध नेताओं से मिलते हुए दिखाया। इन सबकी उम्र 90 या इससे अधिक थी। इनके भी सिर के बाल काले थे। इसका मुख्य कारण है कि चीनी नेता और अधिकारी अपने बालों को काला डाई करते हैं। यह एक लंबी परंपरा है, जो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के शीर्ष नेतृत्व में प्रचलित है। बालों को रंगने की ये रिवायत माओत्से तुंग के जमाने से चली आ रही है। लेकिन 1990 के दशक से ये चलन और भी गाढ़ा हो गया है। चीन के नेताओं के काले बालों का राज़ हमेशा से लोगों के लिए कौतूहल का विषय रहा है। चाहे माओ हों या वर्तमान के शी जिनपिंग, वो है उनके चमकदार काले बाल। आखिर क्या वजह है कि ये नेता अपने बालों को हमेशा काला रखते हैं? ये काले बाल चीनी संस्कृति में जवानी, ताकत और ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। चीन में बालों का रंग न सिर्फ़ सुंदरता से जुड़ा है, बल्कि ये एक तरह से आपकी सेहत और नेतृत्व की छवि को भी दर्शाता है। सफ़ेद या भूरे बालों को उम्र बढ़ने या कमज़ोरी का संकेत माना जाता है और कोई भी नेता नहीं चाहता कि जनता उसे 'बूढ़ा' या 'कमज़ोर' समझे। बालों को काला रखना एक तरह से अपनी मज़बूत और युवा छवि को बनाए रखने का तरीका है। अगर आप चीनी नेताओं की तस्वीरें देखें, तो लगभग सभी के बाल काले और चमकदार दिखते हैं। ये कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है। ये सब जनता की नज़रों में एक मज़बूत इमेज बनाने का खेल है। काले बाल न सिर्फ़ नेताओं को जवां दिखाते हैं, बल्कि ये संदेश भी देते हैं कि वो लंबे समय तक देश को लीड करने के लिए तैयार हैं। शी जिनपिंग की उम्र 71 वर्ष हैं। गौर से देखने पर उनके बालों में चांदी जैसे सफेद रंग की कुछ लकीरों को देखा जा सकता है। क्या उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक या विक्ट्री डे परेड के समय अपने बाल कायदे से नहीं रंगे? लगता तो यही है। आपको याद होगा कि विक्ट्री डे परेड से पहले एससीओ की तियानजिन शहर में हुई बैठक में शी जिनपिंग की भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक भी हुई थी। उसमें दोनों नेताओं के साथ उनके सहयोगी भी थे। उसमें शि जिनपिंग को छोड़कर बाकी सब नेताओं के बाल काले नजर आ रहे थे। हालांकि अधिकतर 60 की उम्र पार कर चुके हैं। चीन में गिरफ्तार या दंडित अधिकारियों को बाल डाई करने की अनुमति नहीं दी जाती। हालांकि यह भी सच है कि अधिकांश चीनियों के बाल प्राकृतिक रूप से काले ही रहते हैं। इस बीच, चीनी सेना में दाढ़ी रखने पर सख्त प्रतिबंध है, जो पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ग्रूमिंग स्टैंडड्र्स का हिस्सा है। पीएलए के नियमों के अनुसार, सैनिकों को हमेशा साफ-सुथरा और एकसमान दिखना चाहिए। कई वैश्विक सेनाओं, जैसे अमेरिकी सेना या भारतीय सेना में भी ऐसे नियम एक स्तर तक ही हैं, लेकिन चीनी सेना में यह बेहद कठोर है। उदाहरण के लिए, पीएलए के नियमों में स्पष्ट है कि चेहरे पर बाल केवल मूंछ तक सीमित हो सकते हैं, और वह भी नियंत्रित लंबाई में। दाढ़ी को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। पर परेड में कोई सैनिक या नेता मूंछों वाला भी नहीं दिखाई दिया। विक्ट्री डे परेड में सैनिकों की दाढ़ी न होना भी प्रतीकात्मक है। यह परेड कोई साधारण मार्च नहीं है; यह चीन की सैन्य शक्ति का वैश्विक प्रदर्शन है। हालांकि बालों को हर सूरत में काला करने की जिद्ध भारत में बसे चीनी मूल के लोगों में नहीं है। राजधानी के कनॉट प्लेस में एक शूज शो रूम के मालिक जॉर्ज च्यू कहते हैं कि हम चीन से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। आखिर हमारे बुजुर्गों का संबंध चीन से है। पर अब हम भारतीय हो चुके हैं। हम बाल डाई नहीं करते।

साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख

संकलित

दर्शन

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। जबकि वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जगत की जागृति एवं अंतर्यात्रा से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकते हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अभ्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अभ्यासों को ही भक्ति यानी साधना कहा गया है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को शांति-अशांति, मान-अपमान और सुख-दुख से निर्लिप्त बना लिया है, वही निर्विघ्न शांति में स्थित रह सकता है।

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करे

संकलित

प्रेरणा

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

अंतर्मन

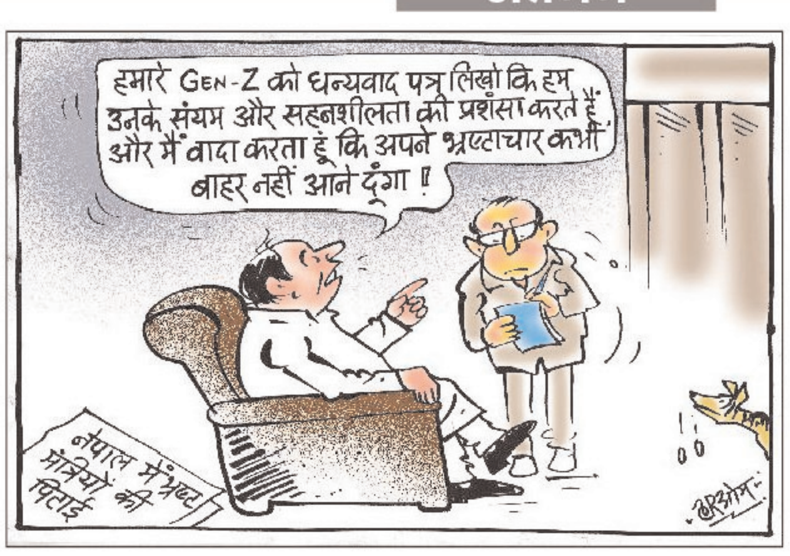

आज की पाती

त्रासदी का गहरा असर

जब बाढ़ का पानी उतर जाएगा तो कैमरे और प्रशासन वहां से लौट आएंगे, लेकिन प्रभावित लोगों की पीड़ा बरसों तक बनी रहेगी। गिरे हुए मकान, डूबे खेत, कर्ज में दबे किसान और पढ़ाई से वंचित बच्चे हमें लगातार याद दिलाएंगे कि यह महज मौसम की सामान्य घटना नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चिंता नहीं, बल्कि वर्तमान की कठोर सच्चाई है। सवाल यह है कि क्या हम इसे गंभीरता से लेकर रोकथाम की राह पकड़ेंगे या हर साल राहत और मुआवजे की रस्म अदायगी दोहराते रहेंगे। क्यों बदल रहा है मानसून का पैटर्न? दरअसल, मानसून अब पहले जैसा नहीं रहा। कहीं बेहद कम बारिश होती है, तो कहीं अचानक बादल फट जाते हैं। ऐसे में प्रकृति का संरक्षण अनिवार्य हो जाता है।

- लखन वर्मा, पलारी

ट्रेंड

ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम

आज लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, त्रिची, कालीकट और अमृतसर हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन: ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम का उद्घाटन किया गया। इस नई सुविधा से लंबी कतारें, मैन्युअल चेक-इन और देरी की समस्या खत्म हो जाएगी।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

समुद्री खाद्य निर्यात

102 नई भारतीय मत्स्य इकाइयाँ अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों को निर्यात कर सकेंगी। इस विकास से तटीय राज्यों में हमारे मछुआरों को बाजारों का विस्तार करने, बेहतर मुनाफा कमाने, रोजगार बढ़ाने और हमारे समुद्री खाद्य निर्यात को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

- पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

पुण्यतिथि पर नमन

हिंदी साहित्य की अमिट स्तंभ, 'पद्म विभूषण' महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उनकी लेखनी ने नारी सशक्तिकरण को शब्द दिए, स्त्री चेतना को स्वर दिया और मानवीय संवेदनाओं को नई ऊँचाइयाँ दीं।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

'नैतिक विजय'

अपनी हर एक हार में नैतिक विजय खोजने में महारत हासिल कर चुकी है कांग्रेस। उपराष्ट्रपति चुनाव में अपनी हार को कांग्रेस के जयराम रमेश ने एक बार फिर 'नैतिक विजय' करार दिया है।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

करंट अफेयर

चीन में कैलाश तीर्थयात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह

बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल के रास्ते निजी ऑपरेटर के माध्यम से तिब्बत में कैलाश पर्वत की यात्रा करने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों से काठमांडू में मौजूदा स्थिति के कारण सावधानी बरतने का आग्रह किया है। भारतीय दूतावास द्वारा बुधवार को जारी एक परामर्श में कहा गया कि नेपाल में मौजूदा स्थिति के कारण वहां से निजी टूर ऑपरेटर द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले भारतीय नागरिकों की योजनाबद्ध यात्रा व्यवस्था प्रभावित हुई है। परामर्श में कहा गया, वर्तमान घटनाक्रम को देखते हुए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन में मौजूद भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

ऑफ बीट

नासा के मंगल रोवर से प्राचीन जीवन के मिले मजबूत संकेत

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मंगल ग्रह पर भेजे गए रोवर 'पर्सिवरेंस' ने एक सूखी नदी की धारा में चट्टानें खोज निकाली हैं जिनमें प्राचीन सूक्ष्म जीवन के संभावित संकेत हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले 'पर्सिवरेंस'' द्वारा वहां एकत्र किए गए नमूनों का पृथ्वी की प्रयोगशालाओं में गहन विश्लेषण जरूरी है। वर्ष 2021 से मंगल ग्रह पर घूम रहा यह रोवर सीधे तौर पर जीवन का पता नहीं लगा सकता। इसके बजाय, यह चट्टानों और नलियों में छेद करने के लिए एक ड्रिल लेकर चलता है ताकि अरबों साल पहले जीवन के लिए सबसे उपयुक्त माने गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों को रखा जा सके।

संक्षेप

चार दिन में सकुशल बरामद हुई नाबालिग, पुलिस टीम को मिली सफलता

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। थाना रूपईडीहा क्षेत्र में अपहरण की एक घटना को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और मात्र चार दिन में ही नाबालिग पीड़िता को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस टीम ने यह सफलता रविवार की शाम सोरहिया रोड के किनारे तलाश अभियान के दौरान हासिल की। थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक दीनानाथ सागर, कांस्टेबल रविन्द्र कुमार और महिला कांस्टेबल प्रियंका वर्मा को तत्काल जांच में लगाया गया था। टीम ने लगातार प्रयास कर आरोपी के ठिकानों की तलाश की और सुरागों के आधार पर नाबालिग को सकुशल ढूंढ निकाला ।गौरतलब है कि 10 सितंबर को रुपईडीहा क्षेत्र की नई बस्ती से नाबालिग लड़की के लापता होने पर परिजनों ने थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। बरामदगी के बाद पुलिस ने बालिका को मेडिकल परीक्षण और अन्य विधिक कार्रवाइयों के लिए जिला मुख्यालय बहराइच भेज दिया है।

ककरहा रेंज में आपसी संघर्ष में हुई तेंदुआ की मौत

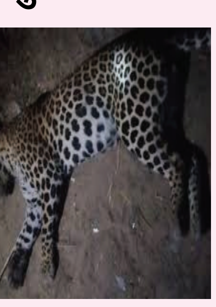

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। प्राकृतिक संपदा से भरपूर कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में एक तेंदुए की मौत हो गई है तेंदुए की मौत से वन्य जीव प्रेमियों में निराशा है वही तेंदुए की मौत का कारण आपसी संघर्ष बताई जा रहा है। कतर्नियाघाट के जंगल में वन विभाग की टीम को गस्त के दौरान एक मृत तेंदुआ का शव जंगल में पडा दिखाई दिया जिसकी सूचना टीम ने वन क्षेत्राधिकारी ककरहा को दी वन क्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र कनौजिया ने मौके पर पंहुचकर उच्चाधिकारियों को सूचना देते हुए आवश्यक जांच पड़ताल के उपरांत तेंदुआ के शव को वन रेंज कार्यालय लाई जहा पर तीन डाक्टरों के पैनल द्वारा तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम कर शव को नष्ट करा दिया गया पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तेंदुआ नर है और उसकी उम्र 6 वर्ष से अधिक थी प्रथम द्दष्टया तेंदुए का आपसी संघर्ष से मौत होना बताया गया है। जिसमें आपसी संघर्ष से मौत होने की बात डाक्टरों द्वारा बताई गई जिसके बाद तेंदुआ के शव को जलाकर नष्ट कर दिया गया ।वन क्षेत्राधिकारी ककरहा धर्मेंद्र कनौजिया ने बताया कि मुख्य वन संरक्षक द्वारा गठित पैनल द्वारा तेंदुआ का पोस्टमार्टम किया गया विसरा सुरक्षित रख तेंदुआ के शव को नष्ट कर दिया गया है।

रूपईडीहा में आम आदमी पार्टी की बैठक सम्पन्न

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौशर

रूपैडिहा, बहराइच। नगर पंचायत रूपैडिहा में आम आदमी पार्टी की ओर से हर घर सम्पर्क अभियान के तहत रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला स्तर से आए पदाधिकारियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। सर्वप्रथम आगंतुक नेताओं को बैज पहनाकर एवं पार्टी की पट्टिका भेंटकर सम्मानित किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी जिलाध्यक्ष फिरोज हैदर ने की। इस अवसर पर नानपारा विधानसभा संगठन प्रभारी अनुज पाठक, बौद्ध प्रांत महासचिव रजत चौरसिया और श्रावस्ती प्रभारी अरुण कुमार सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष फिरोज हैदर ने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकताओं में निहित है। यदि हर कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संपर्क बनाए तो पार्टी का आधार और भी मजबूत होगा। वहीं संगठन प्रभारी अनुज पाठक ने कार्यकताओं से अपील की कि वे हर घर सम्पर्क अभियान को मिशन की तरह लें और जनता तक पार्टी की नीतियों व विचारधारा को पहुँचाने में कोई कसर न छोड़ें ।ह्व बौद्ध प्रांत महासचिव रजत चौरसिया ने कहा कि ह्लभ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए आम आदमी पार्टी का संगठन गांव-गांव तक पहुँचना चाहिए। जनता की समस्याओं को लेकर ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है। श्रावस्ती प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि जनता से सीधा जुड़ाव ही राजनीति की सच्ची ताकत है। हर बूथ और हर मोहल्ले तक पहुंचकर ही पार्टी का विस्तार संभव है। बैठक में नगर अध्यक्ष एडवोकेट रिजवान मलिक, नगर सचिव भीष्म त्रिपाठी, सभासद जान मोहम्मद, डॉ. अब्दुल सत्तार खाँ, अय्यूब सलमानी, अमन मदेशिया, मो. कुदुस, चुन्नू बाबू, मुन्ना अंसारी, साहिल, समीर, शादाब, बैठू आदि सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के अंत में यह संकल्प लिया गया कि आने वाले दिनों में पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद करेंगे और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। इस अवसर पर दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

सीमा पर पसरा सन्नाटा टूटा, नेपालगंज आंदोलन थमा

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर नेपालगंज में चल रहा आंदोलन अब शांत हो चुका है। आंदोलन रुकने के साथ ही सरहद पर फिर से चहल-पहल लौट आई है। बंद पड़ी गतिविधियां अब धीरे-धीरे सामान्य होते दिखाई दे रही हैं।

लंबे समय से रुकी हुई आपूर्ति ने फिर गति पकड़ ली है। आवश्यक वस्तुओं से लदे ट्रक अब इंडो-नेपाल बॉर्डर के एकीकृत चेक पोस्ट से होकर लगातार गुजरने लगे हैं। कारोबारी हल्कों में फिर से सक्रियता दिखने लगी है। हालांकि निजी चार पहिया भारतीय वाहनों पर फिलहाल रोक बरकरार है। आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा और आगजनी से नेपालगंज का भंसार कार्यालय बुरी तरह प्रभावित हुआ था। दफ्तर का सामान और कागजात जलने से वहां कामकाज ठप पड़ गया था। फिलहाल दफ्तर को दुरुस्त करने और व्यवस्था सामान्य करने का काम तेजी से कराया जा रहा है। अनुमान है कि दो दिनों में काम पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। सीमा के हालात भले सामान्य हो रहे हों, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी चूक के मूड में नहीं हैं। एसएसबी और पीएसी के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं और हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन का दावा है कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी अप्रिय घटना की संभावना नहीं है।

पत्रकारों पर हुए हमले को लेकर नेपाल पत्रकार महासंघ ने जताई आपत्ति

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। जेनजी आंदोलन के दौरान भारतीय और नेपाली पत्रकारों पर हुए हमलों, दुर्व्यवहार और उनके काम में बाधा डालने की घटनाओं पर नेपाल पत्रकार महासंघ ने गहरा दुख और आपत्ति जताई है। महासंघ ने इन घटनाओं को प्रेस स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताते हुए तत्काल जांच की मांग की है। महासंघ द्वारा जारी बयान में कहा गया कि सरकार को दोषियों को कानूनी दायरे में लाना चाहिए और पत्रकारों तथा समाचार संस्थानों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा सुनिश्चित करना चाहिए। महासंघ ने जोर देकर कहा कि प्रेस स्वतंत्रता की सुरक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है और इस पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं होगा। महासंघ के महासचिव रामप्रसाद दाहाल ने कहा कि आंदोलन के दौरान पत्रकारों पर लगातार हो रहे थे हमले न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संकट खड़ा कर रहे थे, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी चुनौती दे रहे थे । उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर हमला दरअसल जनता के जानने और सवाल पूछने के अधिकार पर ही हमला है।

ट्रेनों के संचालन हेतु विछाए गए विद्युत तारों का अभियंता ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौशर

रुपईडीहा, बहराइच। रुपईडीहा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के सुचारू संचालन और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अभियंता दल ने रविवार को विद्युत तारों एवं ओवरहेड उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अभियंता ने फाउंडेशन, पोल, इंसुलेटर, क्रॉस-आर्म, क्लैम्प, जोड़ों और लटकते तारों कैटेनेरी व कॉन्टैक्ट वायर की स्थिति की जाँच की। वोल्टेज लेवल, कंडक्टर की ऊँचाई, तारों का तनाव और सुरक्षा उपकरणों की कार्यप्रणाली को परखा गया। निरीक्षण के समय अभियंता यह भी देख रहे थे कि कहीं तार आपस में टकरा तो नहीं रहे, पोल की मजबूती पर्याप्त है या नहीं, फॉल्ट होने पर बिजली काटने वाले सर्किट ब्रेकर सही ढंग से काम कर रहे हैं या नहीं। ग्राउंडिंग और अर्थिंग सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि किसी भी तकनीकी खराबी के समय यात्रियों और रेलकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के उपरांत अभियंता ने अधीनस्थ अधिकारियों को छोटे-मोटे दोष तुरंत दुरुस्त किए जाने और आवश्यकतानुसार बड़े कार्यों की रिपोर्ट ऊपरी विभाग को भेजने के निर्देश दिए। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि सभी मानकों के अनुरूप कार्य पूरा होने के बाद ही बिजली आपूर्ति को चालू कर ट्रेन संचालन शुरू किया जाएगा। रुपईडीहा रेलवे स्टेशन का ऐतिहासिक महत्व है। पूर्व में यह स्टेशन नैरो गेज छोटी लाइन पर चलता था, जो स्थानीय स्तर पर व्यापार और नेपाल से आवाजाही का प्रमुख माध्यम था। लेकिन समय के साथ बढ़ती जरूरतों, यात्री संख्या में वृद्धि और माल ढुलाई की क्षमता को देखते हुए रेलवे ने रुपईडीहा को नैरो गेज से ब्रॉडगेज में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया । ब्रॉडगेज कार्य शुरू होने के बाद यहाँ ट्रैक बिछाने, प्लेटफॉर्म का पुनर्निर्माण, नई सिग्नल प्रणाली लगाने और इलेक्ट्रिफिकेशन का काम तेजी से चल रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, ब्रॉडगेज पूरा होने के बाद रुपईडीहा का सीधा जुड़ाव देश के बड़े शहरों से होगा, जिससे व्यापार, पर्यटन और स्थानीय रोजगार में तेजी आएगी। स्थानीय लोगों ने इस निरीक्षण और प्रगति को विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से प्रतीक्षित यह परियोजना अब साकार होते देखकर उन्हें नए अवसरों की उम्मीद बंधी है।

सीमा खुलते ही गुलजार हुआ रूपईडीहा बाजार, चार दिन बाद लौटी रौनक

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौशर

रूपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल में हुई आंदोलन और हिंसा के चलते बीते चार दिनों तक भारत-नेपाल सीमा सील रही। सीमा बंद होने से सीमावर्ती कस्बा रूपईडीहा का बाजार पूरी तरह ठप हो गया था। नेपाली ग्राहकों पर निर्भर रहने वाला यह बाजार दुकानें बंद होने से सूना पड़ गया था। रविवार को जैसे ही भारत-नेपाल सीमा पर आवागमन बहाल हुआ, रूपईडीहा का बाजार एक बार फिर गुलजार हो उठा। नेपाली ग्राहकों की भीड़ दुकानों पर उमड़ी और सड़कों पर चहल-पहल दिखाई देने लगी। दुकानदारों के चेहरों पर भी लंबे समय बाद मुस्कान लौट आई। सीमा बंद रहने के कारण चार दिनों में न सिर्फ व्यापारियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा बल्कि करोड़ों के दैनिक कारोबार वाले इस बाजार से सरकार को भी लाखों रुपये राजस्व का नुकसान हुआ। बाजार की रौनक लौटने से अब व्यापारी उम्मीद जता रहे हैं कि धीरे-धीरे कारोबार पटरी पर आ जाएगा।

नकली जेवर दिखाकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

- महिला समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवर बरामद

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, पुलिस ने नकली जेवरात दिखाकर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत मोहनगंज पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने दिल्ली के सनी (24), शामली के भीम सिंह (50) और मेरठ की गौरी उर्फ लक्ष्मी (40) को गिरफ्तार किया। आरोपियों से एक जोड़ी चांदी की पायल, सोने की नाक की कील, सोने की 17 लंबी जंजीर और दो जोड़ी चांदी की बिछिया बरामद हुई। ये सभी जेवर मनीष तिवारी के घर से चोरी किए गए थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों का एक संगठित गिरोह है। ये लोग नकली जेवरात दिखाकर असली जेवर बदलने का झांसा देते हैं। गिरोह अयोध्या, सुलतानपुर, बाराबंकी, रायबरेली और लखनऊ में भी ऐसी वारदातें कर चुका है। पुलिस ने मामले में धारा 317(2) और 318(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। थाना मोहनगंज पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली, एक फरार

अलीगढ़ में एक बदमाश पुलिस के सामने से भागने में सफल रहा

अमन लेखनी समाचार

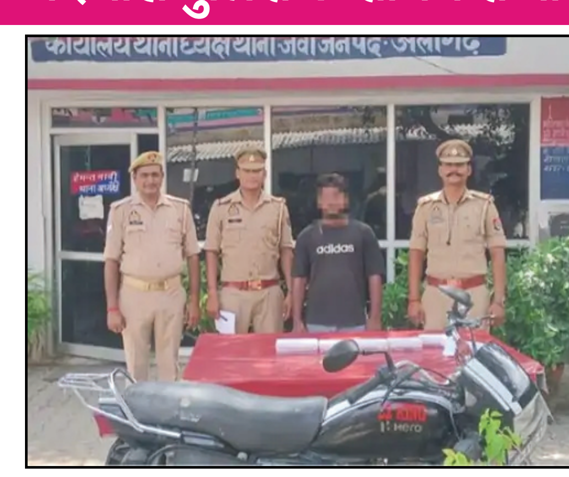

अलीगढ़, यूपी के जिला अलीगढ़ के थाना जवां इलाके के पोहिना मोड़ के पास पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को पकड़ लिया। इनमे एक बदमाश पेर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, एक बाद पुलिस के सामने से भागने में सफल रहा। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाशों ने पिछले दिनों दो लूट की घटनाएं की थी। पुलिस को गिरफ्तार बदमाशों के पास से आईफोन, बाइक, तमंचा कारतूस और लूटे गए 3200 रुपए नगद मिले हैं। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि थाना जवाँ पुलिस व एन्टी थेफ्ट की संयुक्त टीम ने अमरौली चौकी क्षेत्र स्थित अमरौली-बरौली रोड पर ग्राम पोहिना मोड पर चैकिंग अभियान के अन्तर्गत संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चैकिंग कर रही थी। तभी एक मोटर साइकिल पर तीन व्यक्ति सवार आते दिखे। पुलिस ने उनको रुकने का इशारा किया। बाइक सवार मुड़कर भागने लगे। तभी बाइक फिसलकर गिर गई। पुलिस को नजदीक आता देख एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। इस पर पुलिस ने भी गोली चला दी। गोली लगने से शोएब उर्फ चौबा पुत्र असलम निवासी जौहराबाग, ट्रांसफार्मर वाली मस्जिद के पास, थाना सिविल लाईन घायल हो गया। उसके दो साथी भगाने लगे। इनमे से जितेन्द्र उर्फ रोनी पुत्र खजानी लाल उर्फ भूप सिंह निवासी नंगला मल्लाह थाना क्वार्सी को कुछ दूर पीछा कर पकड़ लिया। जबकि तीसरा साथी पुलिस के सामने से भगाने में सफल रहा। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए पंडित दीनदयाल संयुक्त अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके खिलाफ विभिन्न थानों में 12 मुकदमे और जितेंद्र के खिलाफ 4 मुकदमे दर्ज हैं। इनके पास से आईफोन, घटना में प्रयुक्त बाइक, एक तमंचा व कारतूस और 3200 रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने पिछले दिनों पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई कर कोर्ट में पेश किया।

एक बहन ने लगाई फांसी, दूसरी ने खाया जहर

सुल्तानपुर में मां-बाप के झगड़े से परेशान होकर उठाया कदम, किशोरी अस्पताल में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, मां-बाप के बीच का झगड़ा जानलेवा साबित हुआ। गर्भवती एक बेटी ने जहां फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया, वहीं दूसरी बहन ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि जौनपुर स्थित शाहगंज के एक निजी हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटना अखंडनगर थाना क्षेत्र के अहिरी फिरोजपुर गांव की है। जहां 22 वर्षीय रोशनी पत्नी राहुल ने गुरुवार की देर शाम आत्महत्या कर लिया। वहीं उसकी छोटी बहन रेशमा (19) ने जहर खा लिया। उसे दोस्तपुर सीएचसी लाया गया वहां से गंभीर हालत में उसे शाहगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला मुख्यालय से 70 किमी दूर अखंडनगर थाना क्षेत्र के अहिरी फिरोजपुर गांव है। जहां पर बीते जून माह में रमेश 58 सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके जबड़े की हड्डी आदि फ्रैक्चर हो गई थी। जिनका अभी इलाज चल रहा है। रमेश बिजली मिस्त्री थे, हादसे में बीमारी के चलते वे बिस्तर से जा लगे तो पारिवारिक हालत और दयनीय हो गई। इसको लेकर उनका पत्नी गीता से प्रतिदिन झगड़ा होने लगा। घर पर छोटी बेटी रेशमी (15), छोटा बेटा सौरभ जो बीए का छात्र है माता पिता को समझाते। रमेश ने बड़ी बेटी सोनी का विवाह ढेहमा बाजार मुड़हा गांव में 2018 में महेश के साथ किया था। जिससे एक बेटी अनुष्का 6 साल की है। बड़ा बेटा सुमित दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। दस दिन पूर्व ही वो वापस दिल्ली लौटा है। जबकि बेटी रोशनी का विवाह गोसाईगंज निवासी राहुल से एक वर्ष पूर्व किया है। वो तीन माह के गर्भ से थी। तीन दिन पहले ही वो मायके आई थी। इस बीच गुरुवार शाम पारिवारिक कलेश में पिता रमेश व मां गीता में झगड़ा शुरू हुआ। नौबत इतनी बिगड़ी कि गीता घर से यह कहकर भागने लगी कि अब वो जान दे देगी लेकिन कलह बर्दाश्त नहीं करेगी। बेटी रोशनी व रेशमी ने मां का हाथ पकड़ कर रोका भी लेकिन वो मानी नहीं। आखिर जैसे ही गीता घर से जान देने के लिए भागी वैसे ही रोशनी ने घर के अंदर दुपट्टे से फंदा बनाकर उस पर झूल गई। वहीं बड़ी बहन की यह हालत देखकर छोटी बहन ने जहर खा लिया।

सपा अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार को दिए 1 लाख रुपए

एडवोकेट महेंद्र प्रताप मौर्य की हुई थी हत्या, सुरक्षा की मांग

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, कादीपुर विधानसभा क्षेत्र के एडवोकेट महेंद्र प्रताप मौर्य की 8 जून को हुई हत्या के मामले में नया मोड़ आया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता भेजी है। जिला अध्यक्ष रघुवीर यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय पर मृतक की पत्नी शकुंतला को चेक सौंपा गया। शकुंतला ने इस सहायता के लिए अखिलेश यादव का आभार व्यक्त किया। मृतक के परिजन अभी भी दहशत में हैं क्योंकि आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। क्षेत्र के पूर्व विधायक भगेलू राम ने कहा कि कादीपुर में दलित और पिछड़े वर्ग पर लगातार हमले हो रहे हैं। सपा कार्यकताओं ने हत्यारों की गिरफ्तारी, परिवार को सुरक्षा और शस्त्र लाइसेंस देने की मांग की है। साथ ही मामले की सीबीआई जांच की भी मांग की गई है। करुणाकांत मौर्य ने बताया कि मृतक कादीपुर के सचिव थे। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह दलित और पिछड़े वर्ग पर हो रहे अत्याचारों को रोकने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में एफआईआर तक दर्ज नहीं हो रही है। इस मौके पर कमलाकांत मौर्य प्रदेश सचिव, भगेलूराम पूर्व विधायक कादीपुर, महासचिव सलाउद्दीन अहमद, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र मौर्य, जिला उपाध्यक्ष अशोक वर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिलाओं के लिए 10 दिवसीय जागरूकता अभियान

एसटीईएम क्षेत्र में बालिकाओं को मिला मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, सर्वोदय बालिका विद्यालय अशैदापुर गौरीगंज में महिला कल्याण विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेंडर विशेषज्ञ राकेश कुमार यादव ने एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डीएमसी ऋषि कुमार ने छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना और वन स्टॉप सेंटर योजना शामिल हैं। साथ ही महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे महिला हेल्पलाइन (181), वूमेन पावर लाइन (1090), चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) और आपातकालीन सेवा (112) के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में दहेज प्रथा, बाल विवाह, बाल श्रम और लिंग भेदभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाई गई। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ होने वाली हिंसा की रोकथाम और शिकायत प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या गीता वर्मा, डीएमसी ऋषि कुमार, जेंडर स्पेशलिस्ट राकेश कुमार यादव, अकाउंटेंट जानवी गुप्ता, सहायक अध्यापिका राखी देवी, वंदना सिंह, नीलेश कुमार गुप्ता सहित अन्य कार्मिक और छात्राएं उपस्थित रहीं।

संक्षेप

बंदरों ने 4 साल के बच्चे पर हमला किया

मोदीनगर में ट्यूशन से लौट रहे नर्सरी के छात्र को 7 जगह काटा, जीटीबी अस्पताल रेफर

मोदीनगर, लंकापुरी कॉलोनी में बंदरों के झुंड ने एक नर्सरी के छात्र पर हमला कर दिया। यह घटना हुई। बंदरों ने बच्चे को 7 जगह काट लिया। कॉलोनी के रहने वाले कपिल कुमार के 4 साल के बेटे आरव के साथ यह हादसा हुआ। शाम करीब 7 बजे आरव ट्यूशन से अकेले घर लौट रहा था। रास्ते में अचानक बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बच्चे की चीखें सुनकर आसपास के लोग दौड़े। उन्होंने बंदरों को भगाकर बच्चे की जान बचाई। सुबह परिजन बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टरों ने आरव को रेबीज का इंजेक्शन लगाया। लेकिन गहरे घाव होने के कारण सीरम के लिए उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। केंद्र प्रभारीदिनेश कुमार के अनुसार बच्चे के शरीर पर सात जगह गहरे घाव हैं। उसकी हालत को देखते हुए सीरम लगाना जरूरी है।

स्कार्डी सोसाइटी में आरडब्ल्यूए चुनाव पर टकराव

एक पक्ष चुनाव कराने के पक्ष में, दूसरा विरोध में; पुलिस ने संभाला मोर्चा

गाजियाबाद, कविनगर थाना क्षेत्र स्थित गोल्फ लिंक की स्कार्डी सोसाइटी में आरडब्ल्यूए चुनाव को लेकर विवाद गहरा गया है। सोसाइटी के दो गुटों में तीखी नोकझोंक के बाद पुलिस को बुलाना पड़ा। एक पक्ष नियमानुसार समय पर चुनाव कराने की मांग कर रहा है। दूसरा पक्ष फिलहाल चुनाव नहीं चाहता। इसी मुद्दे पर देर रात दोनों गुट आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस विवाद में बदल गई। कविनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। दोनों ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। पुलिस विवाद की असल वजह और जिम्मेदार लोगों की पहचान कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरडब्ल्यूए चुनाव को लेकर लंबे समय से मतभेद चल रहे हैं। कुछ निवासी चुनी हुई समिति चाहते हैं। वे सोसायटी के कामकाज में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। कुछ लोग मौजूदा व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं। कविनगर थाना पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। अराजकता फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जिद पर अड़े हैं। निवासियों के बीच चुनाव के होने या टलने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

बिजली आपूर्ति की समस्या

रबूपुरा में जर्जर लाइन और अनियमित आपूर्ति से परेशान ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

जेवर, रबूपुरा क्षेत्र में बिजली की गंभीर समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (महासभा) ने प्रदर्शन किया। संगठन ने बिजली घर के जूनियर इंजीनियर पवन चौहान को अधिशासी अभियंता के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए हैं। गांव उटरावली में हाईवोल्टेज लाइन जर्जर स्थिति में है। यह लाइन ग्रामीणों के घरों के ऊपर से गुजर रही है। मिजार्पुर रोड पर विभाग ने खंभे लगाकर ट्रांसफार्मर तो स्थापित कर दिया है।

छात्र के प्राइवेट पार्ट की प्लास्टिक सर्जरी हुई

प्रयागराज में डॉक्टरों ने 2 घंटे तक किया ऑपरेशन; ओटी के बाहर रोती रही मां

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, जिस छात्र ने लड़की बनने के लिए अपने हाथों से ही अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया था, उसकी प्लास्टिक सर्जरी कर दी गई है। एसआरएन हास्पिटल के डॉक्टरों ने शनिवार को उसके प्राइवेट पार्ट की सर्जरी की। प्लास्टिक सर्जन डॉ. मोहित जैन और सर्जन डॉ. संतोष सिंह की मौजूदगी में परिवार की सहमति के बाद उसके कटे हुए प्राइवेट पार्ट की 3 दिन बाद प्लास्टिक सर्जरी हुई। वहीं, अस्पताल में बेटे की देखभाल कर रही मां ओटी के बाहर खड़ी होकर बेटे के लिए रोती रहीं। दरअसल, वह उनका इकलौता बेटा है। डॉक्टर का कहना है कि उसे पूरी लाइफ हार्मोन की दवा खानी पड़ेगी। अभी करीब 15 दिन या उससे ज्यादा दिनों तक अस्पताल में ही डॉक्टरों की निगरानी में रहना होगा। डॉक्टर कहते हैं, प्लास्टिक सर्जरी के बाद आगे का क्या स्टेप होगा यह विचार किया जाएगा, ताकि छात्र ठीक हो सके। छात्र की प्लास्टिक सर्जरी के पहले लगातार 2 दिनों तक मनोचिकित्सक उसकी काउंसलिंग करते रहे। छात्र के साथ साथ उसकी मां व उसके परिवार वालों को समझाया। इसके बाद उसके प्लास्टिक सर्जरी की तैयारी शुरू हुई। इसमें तीन विभागों के 6 चिकित्सक शामिल रहे जिसमें प्लास्टिक सजरी, सर्जरी व एनेस्थेसिया डिपार्टमेंट के डॉक्टरों ने करीब 2 घंटे तक सर्जरी की। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल व प्लास्टिक सर्जन डॉ. मोहित जैन ने बताया कि उसके प्राइवेट पार्ट की सर्जरी की गई, आगे का स्टेप कुछ दिन बाद होगा। छात्र ने अपने प्राइवेट पार्ट को जिस तरह से सर्जिकल ब्लेड से काटा था उसे देख डॉक्टर भी परेशान दिखे। सर्जन डॉ. संतोष सिंह ने बताया, छात्र का प्रयास था कि वह अपने प्राइवेट पार्ट को ही अलग कर दे, चूंकि वह एनेस्थेसिया का इंजेक्शन ले चुका था इसलिए उसे ब्लेड से काटते समय दर्द नहीं हो रहा था, तभी उसे जो समझ आता गया उसे करता गया। डॉक्टर बताते हैं कि छात्र ने अपने प्राइवेट पार्ट का उपरी भाग काट लिया था। कुछ हिस्सा बचा रहा जिससे वह नहीं काट सका था, क्योंकि इस दौरान ब्लड ज्यादा निकलने लगा और डरने लगा। एनेस्थेसिया का असर कम होना शुरू हुआ तो उसे लगा कि अब जान चली जाएगी। तब वह अस्पताल जाने को तैयार हुआ।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से लगी आग

सिलेंडर फटने से छत फटी गृहस्थी का सामान जलकर खाक

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दपसौरा के मजरा जारा गाँव निवासी शिवकरन निषाद की पत्नी पार्वती घर के ऊपर बने कच्चे कमरे में खाना बना रही थी तभी अचानक पूरे कमरे समेत बाहर पड़े छप्पर में आग लग गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण करते हुए समूचे मकान को अपनी आगोश में ले लिया सिलेंडर फट जाने से घर की छत भी टूट गई यह देखते ही समूचे गाँव में हड़कंप मच गया ग्रामीणों ने महिला एवं बच्चे को घर से सुरक्षित निकालकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पूरा मकान छतिग्रस्त होने के साथ ही कपड़े बर्तन खाद्य सामग्री समेत गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया था इस दौरान पुत्र कार्तिक उम्र 7 वर्ष आग की चपेट में झुलस गया परिजन बच्चे को नजदीकी जनपद हमीरपुर में ले जाकर उपचार के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया

निठारी के पास कार में लगी आग

शॉट सर्किट बताई गई वजह, 20 मिनट में दमकल ने पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, सेक्टर-31 बिजली घर के सामने एक कार में आग लग गई। आग लगते ही मिनटों में ही पूरी कार जलकर राख हो गई। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दी। मौके पर दमकल की एक गाड़ी को भेजा गया। करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। क्रेन की मदद से कार को सड़क किनारे किया गया। इस दौरान यातायात कुछ देर के लिए रोका गया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि आग की वजह शॉट सर्किट हो सकती है। लोगों ने बताया कि पहले इंजन से धुआं निकला फिर तेजी से आग फैलने लगी। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। इस दौरान भी यातायात चलता रहा। दमकल की गाड़ी पहुंचने पर यातायात को रोका गया। जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में कार जलकर राख हो गई। लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई है।

भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने दिल्ली-सहारनपुर रोड का किया निरीक्षण

- **जलभराव पर अधिकारियों को लगाई फटकार, बोले- जिम्मेदारों के खिलाफ होगी कार्रवाई**

अमन लेखनी समाचार

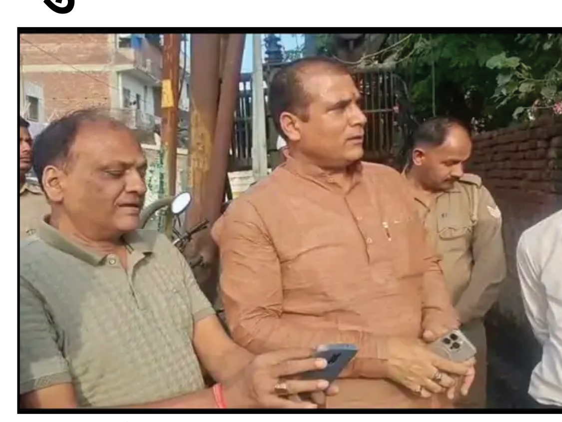

गाजियाबाद, दिल्ली-सहारनपुर रोड पर नाले जाम होने और जलभराव की समस्या के कारण लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अचानक निरीक्षण किया और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। विधायक ने मौके पर ईओ, सफाई चीफ निरीक्षक और सफाई इंचार्ज को तलब किया। उन्होंने कड़ी चेतावनी दी कि आज रात तक हर हाल में जलनिकासी सुनिश्चित की जाए, अन्यथा जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि नगर पालिका के चेयरमैन की लापरवाही और मनमानी से जनता को लगातार परेशानी हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शासन को पूरी रिपोर्ट भेजी जाएगी और सरकार की छवि खराब करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। विधायक की फटकार के बाद नगरपालिका प्रशासन तुरंत हरकत में आया। सफाई अभियान शुरू किया गया और जेसीबी मशीनें लगाकर नाले की सफाई कर जलभराव दूर करने का काम तेज किया गया। इस मौके पर विधायक ने स्पष्ट किया कि जनता को जलभराव, गंदगी और बदइंतजामी से राहत दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि आगे भी लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भाई और भतीजे ने बड़े भाई पर पेट्रोल डालकर जलाया

डॉक्टरों ने बड़ौत से मेरठ रेफर किया, आरोपी फरार

अमन लेखनी समाचार

बडौत, बड़ौत के बावली गांव में एक परिवार में हुई मामूली कहासुनी ने भयानक रूप ले लिया। एक भाई ने दूसरे भाई पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पीड़ित सुरेश 60 प्रतिशत तक झुलस गए। घटना के बाद परिजनों ने सुरेश को तुरंत बड़ौत के अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ के उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। वहां सुरेश जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी भाई घटना के बाद से फरार है। पुलिस टीमें उसकी तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव के लोगों में इस घटना से दहशत का माहौल है। एक ही परिवार के दो भाइयों के बीच इस तरह की क्रूरता ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामूली विवाद को इतनी भयानक शक्ल देने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

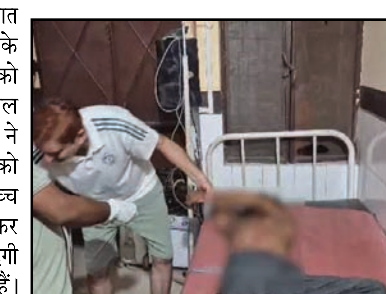

शातिर लुटेरा गाजियाबाद में मुठभेड़ में पकड़ा

- **पैर में गोली लगने से घायल, महिला से लूटे गहने और 5000 रुपये बरामद**

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक शातिर बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी का नाम शाहिद है, जो मेरठ जिले के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के खड़ौली गांव का रहने वाला है। जब एक महिला अपने बेटे के साथ बाजार जा रही थी। रास्ते में शाहिद बाइक पर आया और महिला के कान से कुंडल झपटकर भाग निकला। महिला के बेटे ने इसकी लिखित शिकायत थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू हुई। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी फिर किसी घटना को अंजाम देने वाला है। इस पर पुलिस टीम ने दुहाई बम्बा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस द्वारा जब उसका पीछा किया गया, एक मोड़ पर उसकी बाइक फिसल गई। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें भागते समय आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी को इलाज के लिए तुरंत संजय नगर अस्पताल भेजा गया।

पुलिस ने उसके पास से सोने के कुंडल, 5000 रुपए नकद, एक अवैध असलाह, कारतूस और बाइक बरामद की है। पूछताछ में शाहिद ने महिला से लूट की वारदात कबूल कर ली। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि शाहिद पर गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और मेरठ में चोरी व लूट के करीब 13 मामले पहले से दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और फिर से वारदात करने की तैयारी में था।

नेशनल शूटर को कार में बंधक बनाकर घंटों घुमाया

गाजियाबाद में तीन बदमाशों ने तमंचे की नोक पर की फिरौती की मांग

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के रहने वाले नेशनल लेवल शूटर और कारोबारी मयंक मिश्रा को तीन बदमाशों ने कार में बंधक बनाकर घंटों तक हाईवे पर घुमाया।

मयंक डिजिटल मार्केटिंग कंपनी और एक स्पोर्ट्स ब्रांड के मालिक भी हैं। जानकारी के मुताबिक, मयंक अपने दोस्त को छोड़ने के लिए रात करीब साढ़े 10 बजे आनंद विहार बस अड्डे आए थे। लेकिन बस छूट गई। इस पर चालक ने कहा कि बस विजय नगर डिपो से मिल जाएगी। मयंक जैसे ही अपने दोस्त को विजय नगर के पास छोड़कर लौट रहे थे, तभी तीन बदमाश उनकी कार में जबरन घुस गए। बदमाशों ने मयंक को धमकाते हुए तमंचा दिखाया और पैसे की मांग की। उन्होंने उनके भाई को वीडियो कॉल कर फिरौती भेजने के लिए दबाव बनाया।

विरोध करने पर मयंक से मारपीट भी की गई। आरोपी लगातार हाईवे पर गाड़ी घुमाते रहे ताकि पुलिस को कोई अंदेशा न हो।

काफी देर बाद बदमाशों ने मयंक मिश्रा को हिंडन स्थित डीसीपी ऑफिस के पास छोड़ दिया। इसके बाद वह सीधे थाने पहुंचे, जहां उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई और पुलिस की मौजूदगी में अपना मेडिकल परीक्षण भी कराया।

मयंक का कहना है कि वारदात चार थानों की सीमा से होकर गुजरी, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

फिलहाल मामला विजयनगर थाने में दर्ज किया गया है और पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मेडिकल छात्राओं की तस्वीरें चुराकर बनाई फर्जी इंस्टाग्राम आईडी

अश्लील टिप्पणियां कर परिचितों को भेजी, साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज

अमन लेखनी समाचार

जेवर, ग्रेटर नोएडा के एक मेडिकल कॉलेज की तीन छात्राएं साइबर उत्पीड़न का शिकार हुई हैं। एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी तस्वीरें चुराकर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई। इन आईडी से छात्राओं पर अश्लील टिप्पणियां की गईं। आरोपी ने इतना ही नहीं किया। उसने यह आपत्तिजनक सामग्री छात्राओं के परिचितों को भी भेजी। छात्राओं को कुछ दिन पहले इस घटना की जानकारी मिली। तब से वे मानसिक तनाव में हैं। पीड़ित छात्राएं दनकौर कस्बे में रहती हैं। उन्होंने साइबर क्राइम शाखा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई।

ट्रैफिक पुलिस पर पथराव

गलत दिशा में कार चलाने पर रोका तो ड्राइवर ने किया हमला, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, इंदिरापुरम में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर कार चालक ने पथराव कर दिया। घटना दिल्ली पब्लिक स्कूल पेट्रोल पंप के पास हुई। ट्रैफिक पुलिसकर्मी शशिकांत वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान गौरव चौधरी नाम का व्यक्ति गलत दिशा से कार चला रहा था। शशिकांत ने जब कार रोकने का प्रयास किया तो चालक नहीं माना। आरोपी ने पहले पुलिसकर्मी को कार से टक्कर मारने की कोशिश की। शशिकांत ने सतर्कता दिखाते हुए खुद को बचा लिया। कुछ देर बाद गौरव वापस आया और कार से उतरकर पुलिसकर्मी पर पत्थर से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने घायल पुलिसकर्मी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार शशिकांत की स्थिति स्थिर है।

इंदिरापुरम पुलिस ने आरोपी गौरव चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी कार भी जब्त कर ली गई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिसकर्मी पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में एनएच-9 पर एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ड्यूटी के दौरान मौत हुई थी। इस घटना ने पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कूल में स्टूडेंट की मौत

- **खाना खाने के बाद तबीयत बिगड़ी, परिजन बोले- समय से डॉक्टर के पास नहीं ले गए टीचर**

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, नोएडा सेक्टर-31 स्थित प्रोसेडियम स्कूल में शिक्षक दिवस के कार्यक्रम के दौरान छठी क्लास की स्टूडेंट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस ने स्टूडेंट के शव का पोस्टमॉर्टम कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि शिक्षक दिवस के मौके पर स्टूडेंट तनिष्का शर्मा पहुंची थी। करीब दो बजे तनिष्का ने लंच किया। इसके बाद वहां से निकलकर नीचे आ रही थी। तभी उसकी तबीयत बिगड़ी और सीढ़ियों से गिर गई। स्कूल प्रबंधन ने बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एडीसीपी सुमित शुक्ला का कहना है कि डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमॉर्टम कराया गया है। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इस मामले में कोई शिकायत परिजनों की ओर से नहीं दी गई है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। स्कूल की प्रिंसिपल मानवता शारदा ने बताया कि बच्ची का गला बंद हो गया था। उस तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि हादसे के दौरान स्कूल के कर्मचारी कार्यक्रम में व्यस्त थे। छात्र-छात्राओं की देखभाल अच्छे से नहीं की जाती है। आरोप है कि समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिली। घटना के बाद परिवार के लोगों को अलग-अलग जानकारी दी गई। किसी कहना था कि स्टूडेंट सीढ़ियों से गिरी तो किसी ने कहा कि खाना खाने के बाद तबीयत बिगड़ी। जिस जगह घटना हुई वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे।

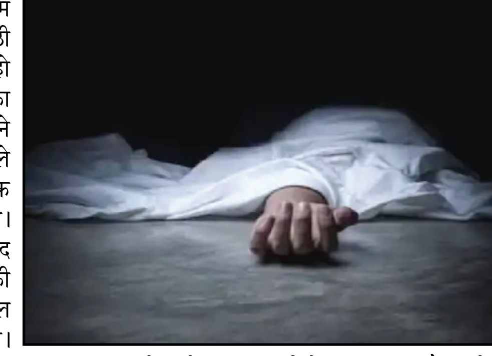

16 को सीएम को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपेगा ग्रापए: डॉ. परमेश्वर दयाल

–पत्रकारों के हितार्थ सात सूत्रीय मांगों से संपूरित होगा ज्ञापन पत्र।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र । ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन 16 सितम्बर को जिलाधिकारी को पत्रकारों के हितार्थ ज्ञापन सौंपेगा। मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी सोनभद्र को 11 बजे सौंपा जाएगा जिसमें ग्रापए के जिला पदाधिकारी, तहसील अध्यक्ष व पदाधिकारी तथा जनपद में रहने वाले मण्डल पदाधिकारियों के साथ ही जिले से सम्बद्ध प्रांतीय पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तरप्रदेश के सोनभद्र जिलाध्यक्ष डॉ0 परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव ?पुष्कर? ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में जनपदों के जिलाधिकारी को एक ही तिथि यानी

16 सितम्बर को मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय मांगों से संपूरित ज्ञापन सौंपा जाएगा। सोनभद्र जिलाध्यक्ष ने बताया कि एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा तय व घोषित तिथि 16 सितम्बर को कलेक्ट्रेट में डीएम को ग्रापए मांगपत्र सौंपेगा, जिसमें राज्य मुख्यालय लखनऊ में शासन द्वारा कार्यालय हेतु भवन आवंटित करने, ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित करने, बीमा योजना में शामिल करने व दीर्घावधि से आंचलिक पत्रकारिता कर रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ देने तथा ग्रामीण पत्रकारों के विरुद्ध कोई भी प्राथमिकी दर्ज करने से से पूर्व जिला पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनिवार्य रूप से जाँच करने की मांग शामिल है। इसके अलावा तहसील स्तर पर प्रशासनिक अफसरों सँग ग्रामीण पत्रकारों की नियमित बैठक कराए जाने, प्राकृतिक आपदा अथवा दुर्घटना में मृत पत्रकार के परिजनों को पाँच लाख की सहायता राशि एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख की मदद करने की भी प्रमुख एवं आवश्यक माँगे सम्मिलित हैं। जनपद के पत्रकारों से जिलाध्यक्ष ग्रापए ने अपील की है कि सभी पत्रकार 16 सितम्बर को ससमय अर्थात 11बजे कलेक्ट्रेट में समुपस्थित होकर प्रतिभाग करें, जिससे पत्रकारों के जीवन से जुड़ी भावनाओं को सम्यक रूप से गति मिले और इसके परिपूर्णता की परिणति साकार हो।

मिर्जापुर जनपद के ग्राम सभा कोलाही में कुछ लोगों को नहीं मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर जनपद के छानबे ब्लॉक के अंतर्गत कोलाही ग्राम सभा में स्वच्छता मिशन फेल नजर आ रहा है हर गली मोहल्ले हर गली मोहल्ले और घर के सामने और सड़कों पर कूड़ा कचरा फैला नजर आ रहा है और गांव की सड़क हुई ध्वस्त जिससे लोगो को आने जाने में खतरा बना रहता हैं और लोगों का कहना है कि हमें नहीं मिल रहा है सरकारी योजनाओं का लाभ और हमारा स्वच्छता के लिए शौचालय के लिए ऑनलाइन आवेदन कराया हुआ गांव के कुछ व्यक्तियों द्वारा निरस्त कर दिया गया कुछ लोगों का कहना है ना हमें गौशाला का लाभ मिला और ना ही शौचालय का और साथ ही साथ ग्राम सभा में ड्यूटी लग सफाई कर्मचारी गांव में सफाई करने नहीं आते सड़कों की सफाई नहीं करते और ना ही रा गांव के बाहर ले जाया जा रहा है जिससे गांव में तरह-तरह की बीमारियां देखने को मिल रही है और गांव की सड़के हुई ध्वस्त

चोपन की साइबर टीम द्वारा आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि कुल 15,553/- रुपये उसके मूल खाते मे कराया गया वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदिका धर्मशिला पत्नी संजय प्रसाद निवासिनी रामनगर जिला बक्सर बिहार वर्तमान पता प्रीतनगर चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किस्त (EMI) जमा कराने के नाम पर 15553/- रुपये की धनराशि ठगी कर ली गयी थी, जिसके सम्बन्ध में थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा आवेदिका से फ्राड के सम्बन्ध मे पूछताछ कर एंव ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक कागजात लेकर तत्काल साइबर पुलिस पोर्टल (NCRP) पर शिकायत दर्ज की गयी । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण मे तथा थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा NCRP पोर्टल का अवलोकन करके आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा NCRP पोर्टल से ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर सम्बन्धित बैंक को ईमेल/पत्राचार करके आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि कुल 15,553/-/- रुपये को आवेदिका के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया । आवेदिका द्वारा थाना चोपन की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की ।

धनराशि वापस कराने वाली टीम:-

01. का0 सुनील कुमार, साइबर हेल्प डेस्क थाना चोपन सोनभद्र

नोटः- पिछले लगभग 14 महीनों मे पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (मुख्यालय) के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व मे थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा 35 व्यक्तियों के फ्राड हुए लगभग कुल 6 लाख 14 हजार रुपये पीडितों के मूल खातों मे वापस कराया गया ।साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल या नजदीकी थाने पर रिपोर्ट या cybercrime.gov.in पर लॉगिन कर तुरन्त शिकायत दर्ज करायें।

खास समाचार

शनिवार को मॉ गंगा आरती में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन निर्देशक वित्त संजय मेहरोत्रा

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर/विंध्याचल - मॉ विंध्यवासिनी पक्का घाट पर विन्ध्य विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित दैनिक मॉ गंगा आरती में शनिवार को मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश पावर कापोर्रेशन के निर्देशक वित्त संजय मेहरोत्रा सपत्नीक शामिल हुए गंगा आरती प्रमुख रामानन्द तिवारी के द्वारा उनको संकल्प के साथ मॉ गंगा का विशेष पुजन कराया गया उसके बाद पांच अर्चकों द्वारा संगीतमय आरती प्रारंभ किया गया संजय मेहरोत्रा बोले की मॉ विंध्यवासिनी मॉ गंगा जब जब बुलाती रहेंगी मैं आता रहुंगा मॉ गंगा आरती में आकर बहुत सुकून व ऊर्जा मिला ऐसा भव्य आरती के लिए पुरी गंगा आरती टीम को साधुवाद दिया आरती पश्चात गंगा आरती टीम द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व माता का चित्र देकर सम्मान किया गया जिसमें मुख्य रूप से रामानन्द तिवारी, धीरज शर्मा प्रशांत उपाध्याय धीरज तिवारी साजन तिवारी दिनेश गुप्ता बलवंत सिंह हिमांशु मिश्रा राज तिवारी विश्वनाथ साहू राम जी माली रमेश व बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल हुए

नवागत थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह ने संभाला बीजपुर थाने का कार्यभार

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) रविवार की सायं नवागत थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बीजपुर थाने का पदभार ग्रहण किया ।पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने थाने के सभी पुलिस कर्मियों से औपचारिक जान पहचान किया व थाने का जायजा लिया । आगे उन्होंने बताया कि अपराधियों पर नकेल कसना व अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर क्षेत्र में अमन चैन कायम रखना, गरीब असहाय लोगों को न्याय दिलाना तथा शासन के दिशा निदेर्शों का अनुपालन करवाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी । विदित हो कि शनिवार की देर रात्रि तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा का स्थानांतरण पन्नूगंज थाने हेतु हो गया इसी क्रम में निरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह का स्थानांतरण बीजपुर हुआ है । मूल रूप से गाजीपुर जिले के रहने वाले बेहद हंसमुख व सरल स्वभाव के धनी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि असहाय व पीड़ितों के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं । नवागत प्रभारी निरीक्षक बीजपुर नरेंद्र कुमार सिंह ने अपराधियों व असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्ती बरतने की बात कही व आम जनमानस से अपील किया कि क्षेत्र की घटनाओं की सही सूचना देकर पुलिस का सहयोग करें ।।

दिनकर भूषण चंद की धार सरहद की निगहबान है हिंदी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दयानंद साहित्य संस्थान के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में साहित्य गोष्ठी का आयोजन कचहरी में रविवार अपराह्न आयोजित किया गया। वाणी वंदना व वाग्देवी के चित्र पर माल्यार्पण दीपदान पश्चात ओज श्रृंगार की श्रेष्ठ कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने दिनकर भूषण चंद की धार, सरहद की निगहबान है हिंदी सुनाकर समसामयिक रचना से सबका मन मोह लिया। कवयित्री दिव्या राय ने हिंदी की दुर्दशा पर नवगीत, घुट घुट कर मैं जी रही हूँ, खून के आंसू पी रही हूँ सुनाकर पीर उकेरा सराही गयीं। कार्य क्रम की अध्यक्षता करते हुए ओज के कवि प्रभात सिंह चंदेल ने, जय जगत जननी जनम भू वीर मातु वसुंधरा सुनाकर आयोजन को मुखरित किया। हास्य कवि सुनिल चौचक ने, बासी भात पर बेना जिनि हौंका, बनल बाप के बिगरल बेटवा एतना मति फौंका सुनाकर खूब हंसाते रहे। संचालन कर रहे गीतकार दिलीप सिंह दीपक ने बुजुर्गों ने लहू देकर रक्खी है आबरू इसकी तुम सब कुछ बेंच दो लेकिन हिंदुस्तान मत बेचो सुनाकर सत्ता को नसीहत दी। राष्ट्रवाद के मुखर स्वर प्रदुम्न त्रिपाठी एड शहीद स्मारक करारी प्रमुख ने बंदूक तोप खंजर की बात मत करिये खूनी मंजर की बात मत करिये सुनाया और समरसता सदभाव को स्वर दिया। शायर अशोक तिवारी ने, खौफ है नहीं कोई धूप में नहाने से, कवि जै राम सोनी ने नीमन नीमन बाति सुना के आगि लगवला पानी में, दिवाकर मेघ ने आदमी के पास से अब जा रहा है आदमी संयोजक दयानंद दयालू ने पर्यावरण पर उजड़ल जाता बाग बगैचा घर लागैला सूना, कवि धर्मेश चौहान एड ने टी बी एवं बीवी हास्य रचना साथ ही देश गीत, चीन पाकिस्तान के लिए महाकाल हैं हम सुनाकर गतिज उर्जा का संचरण किये वाहवाही लूटी। सोन साहित्य संगम के राकेश शरण मिश्र ने, रक्खो खुद हौसला दिल में वह मंजर भी आयेगा, प्यासे के पास चलकर समंदर भी आयेगा सुनाकर आशा वादी दृष्टिकोण को इंगित किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने, तिरंगे में सजे अर्थी बजे धुन राष्ट्र गीतों की जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाकर देश भक्ति का संचार किया। सोन संगीत फाउंडेशन सोनभद्र प्रमुख सुशील मिश्रा की गीत प्रस्तुति करण से महफि ल रौशन हुई जो सीमां के जवान वीर सैनिकों को समर्पित थी। आभार दयानंद दयालू ने व्यक्त किया आयोजन देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर ऋषभतिवारी अनीषा चौहान हर्ष चौहान फारुख अली गोपाल मोदनवाल पुरुषोत्तम कुशवाहा ठाकुर मौर्य जयशंकर त्रिपाठी एड, संदीप कुमार शुक्ल एड, देवानंद पांडेय एड, आदि लोग रहे और लोकभाषा हास्य श्रृंगार ओज राष्ट्र वाद गीत गजल छंद विभिन्न रसों की कविता सुनकर दाद देते रहे।

सोनभद्र खनन हादसे के बाद ग्रामीणों ने खदान में घुसकर किया जोरदार प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में खनन हादसे के बाद गुस्से में आए ग्रामीणों ने खदान में घुसकर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया है। लोग प्रशासन से न्याय की मांग कर रहे हैं। कल ब्लास्टिंग के दौरान दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ग्रामीणों का कहना है कि खनन माफियाओं और लापरवाही का खामियाजा मजदूरों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के सुकृत के सेमरिहवा खनन इलाके में आज भारी बवाल देखने को मिला। कल ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर की चपेट में आने से दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में दोनों के हाथ, पैर और आंख तक क्षतिग्रस्त हो गए। फिलहाल दोनों का वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। घटना से नाराज सैकड़ों ग्रामीण आज खदान में घुस गए और नारेबाजी करते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि खनन में सुरक्षा मानकों की जमकर अनदेखी हो रही है और मजदूरों की जान को जोखिम में डाला जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और भी तेज होगा।

विण्ढमगंज पुलिस द्वारा 1 पशु तस्कर को किया गिरफ्तार

कब्जे से एक पीकप में 02 राशि गोवंश (गाय) को किया गया बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों व गौ-तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत दिनांक 13.09.2025 को थाना विण्ढमगंज पुलिस को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग 01 पिकप में 02 अदद गोवंश का बेचने व वध करने हेतु प्रयागराज से झारखण्ड होते हुए बिहार राज्य ले जा रहे है। उक्त सूचना को संज्ञान में लेते हुए विण्ढमगंज पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन ग्राम बुटबेढ़वा झारखण्ड बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान एक पिकप वाहन संख्या UP70QT5354 टाटा एसीई मैजिक सामने से आई और हम पुलिस वालों को देखकर रेलवे स्टेशन रोड ग्राम बुटबेढ़वा की ओर मुड़कर भागने का प्रयास किए तभी हम पुलिस वालों के द्वारा मौके पर पहुँचकर घेराबन्दी कर अभियुक्त सुरेन्द्र कुमार पाल पुत्र दूधनाथ पाल निवासी ग्राम भदवाँ थाना उतरांव जनपद प्रयागराज उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से एक अदद पिकप वाहन संख्या UP70QT5354 टाटा एसीई मैजिक व पिकप में लदे 02 राशि गोवंश को बरामद किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना विण्ढमगंज पर मु0अ0सं0-120/2025 धारा 3/5a/5b/8 गोवध निवारण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर, विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया।

स्वस्थ, निपुण व सुरक्षित श्रमिक ही विकास का आधार

विकसित उत्तर प्रदेश @2047 की बैठक में ठेका मजदूर यूनियन ने दिया सुझाव

प्रदेश में तत्काल वेज रिवीजन हो, ठेका मजदूरों की हो पक्की नौकरी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। प्रदेश के विकास का मूल आधार किसानों, मजदूरों और आम आदमी की तरक्की में है। सरकार को चाहिए कि एक स्वस्थ, निपुण और सुरक्षित श्रमिकों के लिए ऐसी स्थितियों का निर्माण किया जाए ताकि वह प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे सकें। यह बातें ठेका मजदूर यूनियन की तरफ से कल देर शाम चले विकसित उत्तर प्रदेश @2047 की बैठक में लिखित रूप से दी गई। बैठक में ठेका मजदूर यूनियन के जिला उपाध्यक्ष तीरथराज यादव और जिला संयुक्त मंत्री मोहन प्रसाद समेत मजदूरों ने भागीदारी की। बैठक में यूनियन नेताओं ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक शांति को बरकरार रखने के लिए श्रम बंधु की व्यवस्था को पुन शुरू किया जाए। कानून के विरुद्ध प्रदेश में चल रही ठेका प्रथा को समाप्त कर ठेका मजदूरों को पक्की नौकरी दी जाए। प्रदेश में मिनिमम वेज एक्ट के प्रावधानों के विपरीत पिछले 6 सालों से न्यूनतम वेतन का वेज रिवीजन नहीं हुआ है। जिसके कारण इस महंगाई में श्रमिकों के लिए अपना परिवार चला पाना बेहद कठिन हो गया है। यूनियन के पत्र में कहा गया कि ओबरा व अनपरा तापीय परियोजना में समयबद्ध न्यूनतम मजदूरी का भुगतान अभी भी नहीं किया जा रहा है। ओबरा सी में मजदूरी भुगतान के विलंब के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हो चुकी है। हाई कोर्ट के आदेश और फैक्ट्री एक्ट के प्रावधानों के बावजूद मजदूरों की सुरक्षा के प्रति गहरी लापरवाही बरती जा रही है। जिसे ठीक करने की अत्यंत आवश्यकता है। खदान श्रमिकों की स्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि खनन और क्रेशर कार्य में लगे हुए सभी मजदूरों का उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकरण अनिवार्य किया जाए ताकि उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अनपरा और ओबरा क्षेत्र में कर्मचारी राज्य बीमा ईएसआई के अस्पताल खोलने और जनपद के सभी मजदूरों को इसमें पंजीकृत करने का भी निवेदन किया गया है। बैठक में मौजूद उपश्रमायुक्त पिपरी ने इस पत्र को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

रक्तदान कर मानवता की मिशाल बने लोको पायलट सूरज सिंह

अमन लेखनी समाचार

चोपन /सोनभद्र - रेल कर्मचारी छोटू की पत्नी बनारस में भर्ती थीं और गंभीर हालत में उन्हें ड- ग्रुप के खून की तत्काल आवश्यकता थी। ड- ब्लड रेयर होने के कारण परिजन काफी चिंतित थे। इस बीच चोपन रनिंग कैडर के सहायक लोको पायलट सूरज सिंह आगे आए और रक्तदान कर उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस नेक कार्य की सराहना करते हुए चोपन रेल यूनियन अध्यक्ष संतोष दुबे ने कहा कि लोको पायलट सिर्फ ट्रेन में ही नहीं बल्कि समाज के हर मोर्चे पर अग्रणी भूमिका निभाते हैं। वहीं, केंद्रीय संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार ने रक्तदान को महादान बताते हुए सभी कर्मचारियों से इस दिशा में आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर 13 सितंबर को क्रू लॉबी चोपन के वेटिंग हॉल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सूरज सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एउफएव शाखा सचिव राम लखन सिंह ने रक्तदान के लाभों पर प्रकाश डाला। अकछफरअ शाखा सचिव जावेद अख्तर ने कहा कि रेल कर्मचारी हर अवसर पर समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम में चीफ ळछउ वी. के. द्विवेदी, साकिब खान, सी. पी. गुप्ता, रोशन सोनार, सतीश मौर्य, इंद्रजीत कुमार, शशिकांत तिवारी, एच. आर. मिश्रा, प्रिंस कुमार, प्रवीण कुमार समेत दर्जनों रेल कर्मचारी मौजूद रहे और सभी ने सूरज सिंह के इस मानवीय कार्य की प्रशंसा की।

सोनांचल के हर आदिवासी का घर होगा पक्का, मिलेगी बिजली: संजीव गोड़

–कोन ब्लॉक के सलैयाडीह गांव में आदिवासियों को फीता बांधकर संगठित होने का मंत्री जी ने दिया संदेश।

–अपने हक के लिए आदिवासियों को सड़क पर उतरना होगा: रोशनलाल।

–आदिवासी एकजुट हो तो फुट डालो की राजनीति होगी खत्म: छोटेलाल।

–भारतीय संविधान को बचाने के लिए एकजुटता जरूरी: अविनाश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कोन ब्लॉक के सलैयाडीह गांव में रविवार को आयोजित आदिवासी समागम और करमा पूजन समारोह का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजीव गोंड ने किया। साथ ही जो आदिवासी समाज आपस में बंटा हुआ है उसके लिए मंत्री जी और सोनांचल संघर्षवाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल यादव एडवोकेट ने फीता बांधकर संगठित होने का संदेश दिया। इसके साथ ही मंत्री संजीव गोंड, सांसद छोटेलाल खरवार, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, रोशन लाल यादव ने भगवान विरसा मुंडा, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड ने कहा कि भगवान विरसा मुंडा अमर रहें के नारे के साथ उन्होंने आदिवासियों का उत्साह बढ़ाया। कहा कि जल, जंगल, जमीन की लड़ाई को लेकर आपने देखा होगा कि कैसे भगवान विरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, तिलका मांझी ने अपने समाज की जल, जंगल, जमीन बचाया था। उसी तरह से आदिवासियों को संगठित होना पड़ेगा, हमारे समाज के बच्चे अभी तक अनपढ़ रह गए हैं जिन्हें किसी भी तरह शिक्षित करना होगा। केंद्र सरकार ने 2006 में वनाधिकारी कानून बनाया है, लेकिन अभी तक यह अधिकार पूर्ण रूप से नहीं मिला, सरकार से आग्रह करके आदिवासियों को पट्टा देने के लिए अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी जी से हमने कहा कि सोनांचल के हर आदिवासी का घर पक्का हो और उन्हें बिजली मिले। आदिवासी समागम और करमा पूजन समारोह को आयोजन कर रहे शंकर गोड़ व चन्द्र देव चेरो के आमंत्रण पर पहुंचे सोनाँचल संघर्ष वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रोशन लाल यादव ने उद्घाटन भाषण में बोलते हुए कहा कि सोनांचल में आज सोनांचल का आदिवासी दर्दनाक व्यथा के दौर से गुजर रहा है, सरकार ने उनके हक अधिकारों को न देकर उनकी दुर्दशा की जिम्मेदार बन बैठी है। सोनाँचल के आदिवासियों की पुश्तैनी जल, जंगल, जमीन से वनविभाग उजाड़ने पर आमादा है। एक भी आदिवासी युवक को सोनांचल की निजी कंपनियों ने नौकरी नहीं दिया, आज उनके पास अपनी जल, जंगल, जमीन के अलावा कोई भी रोजगार नहीं है। सोनाँचल के आदिवासियों की संस्कृति, पहचान और अस्मिता मिटाने पर बाहरी शोषणवादी ताकतें आमादा हैं जिन पर सरकार की कोई लगाम नहीं लगाई जा रही है। सोनाँचल में चरम सीमा पर उत्पादित खनिज संपदा का बेखौफ दोहन किया जा रहा है शिकायतें सुनने वाला कोई भी नहीं है। भ्रष्टाचार अपने चरम पर है नीचे से ऊपरी स्तर तक काम कराने के लिए सुविधा शुल्क दिए बिना कोई भी काम नहीं हो रहा है। आदिवासी गांवों में जहां जहां सर्वे कराने के लिए अनुरोध किया गया वो आज तक शुरू नहीं किया गया। रोशन लाल यादव ने सोनाँचल के आदिवासी नौजवानों का आह्वान किया कि बिना संगठित हुए ऐसे ही बाहरी लोग आपका हक अधिकार छिनता जाएगा, लामबंद होकर अपने हक अधिकारों के लिए सड़क पर हर हाल में उतरना पड़ेगा। सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा जो आदिवासी 25 साल से अपने जल, जंगल, जमीन पर काबिज है उसे कोई नहीं हटा पाएगा। आदिवासियों को शिक्षित होना पड़ेगा, आदिवासी जब आपस में मिलकर रहेगा तो फूट डालो कि राज नीति खत्म हो जाएगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

भारत की आत्मा है हिंदी

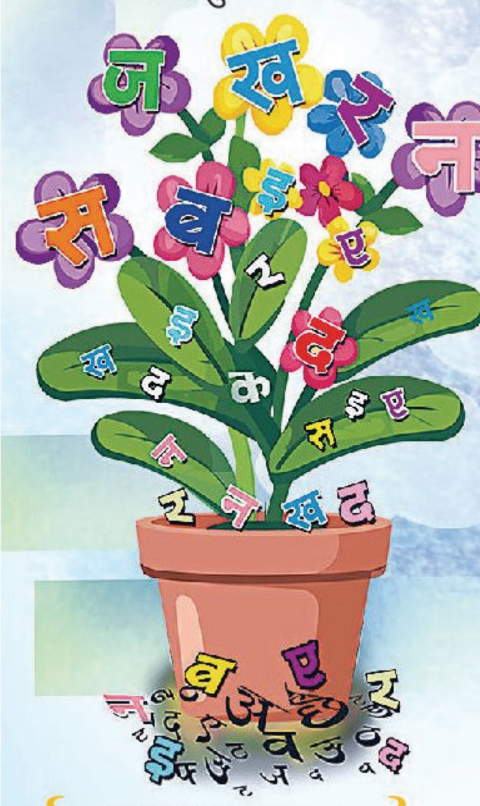

आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्त्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

विचारणीय

लोकमित्र गौतम

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

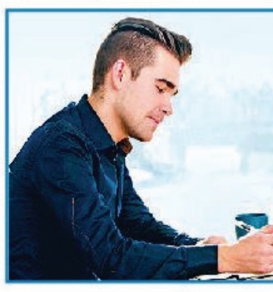

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंग्लुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सहजता से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह संकट ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

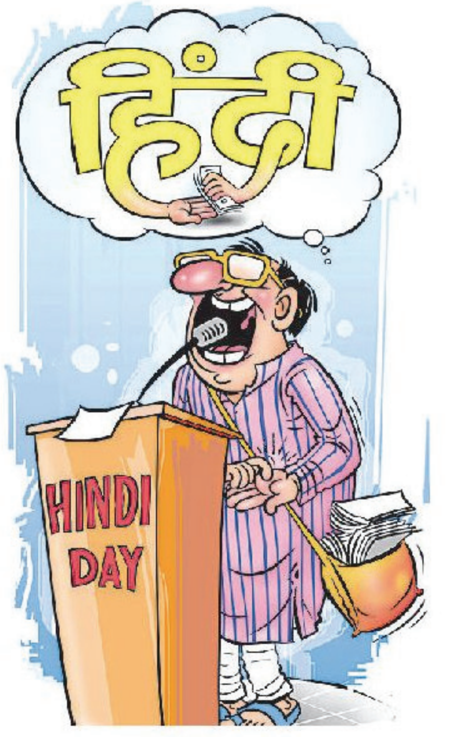

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

मणिपुर का विभाजन यथावत

प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर को भारत माता के मुकुट का सुशोभित रत्न माना है। उन्होंने हिंसा को न केवल दुर्भाग्यपूर्ण माना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों से घोर अन्याय भी करार दिया है। प्रधानमंत्री ने शांति और स्थिरता का आह्वान किया है, क्योंकि यही विकास का रास्ता है। बेशक प्रधानमंत्री के कथन उचित हैं, क्योंकि देश के नेता को तनावग्रस्त, हिंसक, विभाजक समुदायों को ऐसी ही तसल्ली देनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय भी बीते दो सालों में मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों को मेज पर लाया है और उनमें संवाद का सिलसिला शुरू कराया है। संवाद की सफलता अभी दूर की कौड़ी है, क्योंकि कुकी-जो समुदाय के 10 विधायकों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर स्पष्ट किया है कि दोनों समुदाय एक छत के नीचे, साथ-साथ, नहीं रह सकते, लिहाजा उन्हें संघशासित क्षेत्र बना दिया जाए और विधानसभा भी दी जाए। दोनों अच्छे पड़ोसी की तरह रह सकते हैं। प्रधानमंत्री ने अभी कोई आश्वासन नहीं दिया है, लेकिन जिन 10 विधायकों ने ज्ञापन दिया है, उनमें 7 भाजपा विधायकों के हस्ताक्षर हैं। प्रधानमंत्री मोदी, अंततः, मणिपुर गए, यह स्वागतयोग्य है। विपक्ष की आलोचना अपनी जगह है। प्रधानमंत्री की व्यस्तता चौतरफा होती है, लेकिन उनकी सरकार ने मणिपुर के तनाव और ज्वाला को अनदेखा कभी नहीं किया। खुद गृहमंत्री अमित शाह कई दिन मणिपुर में डेरा डाले रहे। जो अधिकारी गृह सचिव होते थे, उन्हीं अजय भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया। वह समस्याओं को बारीकी से समझते हैं। फिर भी सवाल किए जा सकते हैं कि 2023 की जातीय हिंसा, मार-काट, बलात्कार, महिलाओं का नग्न प्रदर्शन, हथियारों की लूट और अवैध जमावड़े के खौफनाक परिदृश्य के बाद ही प्रधानमंत्री को अब समय क्यों मिला? यकीनन मणिपुर के जातीय तनाव और हत्यारी हिंसा में 260 लोग मारे गए। 1500 से अधिक घायल हुए। करीब 60,000 लोगों को विस्थापित होना पड़ा। सैकड़ों गांव जला दिए गए। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में हैं। चुराचांदपुर जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी, 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के प्रवास के बाद, दूसरे प्रधानमंत्री हैं। अलबत्ता 2014-22 के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 7 बार पूर्वोत्तर राज्यों में गए और उनके सरोकारों को साझा किया। बेशक पूर्वोत्तर, शेष देश के साथ उसका जुड़ाव और चौतरफा विकास मोदी सरकार की गंभीर प्राथमिकताओं में शामिल रहे हैं। सबसे ताजा उदाहरण यह है कि मिजोरम को राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के जरिए नई दिल्ली से जोडना गौरवमय प्रयास है और पहाड़ी राज्यों को रेलमार्ग से जोडे की क्रांतिकारी पहल भी है। ऐसा ही एक कठिन और दुर्लभ प्रयास कश्मीर में भी किया गया है, लेकिन ऐसी संभावनाएं हिमाचल में साकार नहीं हो पा रही हैं। बहरहाल मणिपुर का मुद्दा फिलहाल घोर संवेदनशील है। 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने का जो फैसला सुनाया था और जिसके बाद मैतेई-कुकी समुदाय एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए थे, वह मुद्दा आज भी यथावत है। प्रधानमंत्री को स्पष्ट करना पड़ेगा कि वह दोनों समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के पक्ष में हैं अथवा किसी और समाधान पर विचार कर रहे हैं! दोनों समुदायों के बीच विभाजन की रेखा इतनी गहरी खिंच चुकी है कि कोई सामान्य समाधान स्वीकार्य नहीं होगा। मणिपुर में मैतेई आबादी 53 फीसदी है। जिन इलाके में वे बसे हुए हैं, उसे घाटी कहते हैं। कुकी पहाडों में रहते हैं।

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यू आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *